आषाढ़ कृष्ण पक्ष 10-11, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 05 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

10 जुलाई 2026 शुक्रवार

आज का मौसम

30.4 अधिकतम

25.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

अयोध्या में चंपत राय के तेवर देख अब रफूगिरी में जुटे योगी बाबा

अयोध्या कांड में दोपहर मेट्रो ने दो दिन पहले जो सवाल उठाए थे, अब वही सवाल देश की राजनीति में गूंजने लगे हैं। हमने 7 जुलाई को लिखा था– 'राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड... मामला अब लखनऊ से दिल्ली के पाले में..!' अगले ही दिन 8 जुलाई को हमने फिर सवाल उठाया– 'अयोध्या कांड की असली कहानी चढ़ावे की चोरी नहीं है... !' तब तक इसे हमारा राजनीतिक आकलन माना जा सकता था। लेकिन अब सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी एसआईटी की कानूनी वैधता और इस पूरे मामले को लखनऊ बनाम दिल्ली की जंग से जोड़कर उसी राजनीतिक अंतर्धारा को सार्वजनिक बहस में ला दिया है।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

अब जरा घटनाक्रम को उलटे क्रम में पढ़िए...

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जो कल तक चंपत राय को ठिकाने लगाने की मुहिम में जुटे दिखाई दे रहे थे, अब शायद अपने ही बुने जाल की गांठें खोलने में लगे हैं। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में अपना कोई समर्थक न होने की टीस लखनऊ को लंबे समय से रही है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद केंद्र सरकार ने जिस ट्रस्ट का गठन किया, उसकी प्रशासनिक और वित्तीय व्यवस्था स्वतंत्र रखी गई। लेकिन चढ़ावा चोरी का मामला सामने आया तो योगी सरकार ने एसआईटी बना दी।

कैफियत देते नजर आ रहे योगी : *अब तक आक्रामक दिखाई दे रहे योगी अचानक कैफियत देते नजर आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि दान राशि की गणना और उससे जुड़ी व्यवस्था में करीब डेढ़ सौ लोग थे, लेकिन उनमें से महज छह ही गबन में शरीक पाए गए। उनके अलावा दो ऐसे लोग थे जिन पर उन्हें शह देने का आरोप है। यानी डेढ़ सौ में आठ। सवाल है—यह गणित पहले क्यों नहीं बताया गया? जब चढ़ावा चोरी का शोर पूरे देश में गूंज रहा था, जब सनातनियों की आस्था के साथ महालूट का नैरेटिव खड़ा हो रहा था, जब पूरे ट्रस्ट की साख दांव पर लगी थी, तब यह क्यों नहीं कहा गया कि मामला चंद लोगों तक सीमित हो सकता है? अब जब जांच का घेरा सिमट रहा है और सवाल व्यवस्था से आगे राजनीति तक पहुंचने लगे हैं, तब पूरे ट्रस्ट और अयोध्या को बदनाम न करने की दुहाई दी जा रही है। यही तो रफूगिरी है। कपड़ा पहले फटने दिया। अब थेगड़े लगाए जा रहे हैं। मगर मुसीबत यह है कि यह कोई मामूली कपड़ा नहीं है। मामला राम मंदिर का है। करोड़ों सनातनियों की आस्था का है। ट्रस्ट की प्रतिष्ठा का है और सबसे बढ़कर बीजेपी की उस राजनीतिक पूंजी का है जिसे उसने दशकों में अयोध्या के नाम पर खड़ा किया है। उधर अखिलेश यादव ने एसआईटी की कानूनी वैधता पर सवाल उठाकर और इसे लखनऊ बनाम दिल्ली की जंग से जोड़कर योगी की मुश्किल और बढ़ा दी है। विपक्ष को इससे बेहतर मौका और क्या चाहिए? चोरी की जांच अपनी जगह है, लेकिन अब सवाल यह खड़ा किया जा रहा है कि निशाना वास्तव में चोर थे या चंपत राय? और अगर चंपत राय निशाने पर थे तो क्यों?*

बस यहीं से जिन्न बोतल से बाहर निकला...

अयोध्या के रामलला मंदिर में चढ़ावे की चोरी का बड़ा नैरेटिव खड़ा हुआ। मीडिया के एक हिस्से ने इसे सनातनियों की आस्था के साथ हुई सबसे बड़ी लूट तक करार दे दिया। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने इस्तीफा देकर खुद को पद से अलग कर लिया। उनका रुख साफ था—जो जांच करानी है, करा लो। शायद लखनऊ को लगा होगा कि कहानी यहीं खत्म हो जाएगी। लेकिन कहानी यहीं से शुरू हुई।

चंपत राय चुपचाप इस्तीफा देकर घर बैठने वालों में नहीं निकले। जिम्मेदारियों की फाइलें खुलने लगीं। एसओपी किसने बनाई? दान की गणना की व्यवस्था किसकी निगरानी में थी? बैंक की भूमिका क्या थी? कौन किसके प्रति जवाबदेह था? और सबसे बड़ा सवाल—एक स्वतंत्र ट्रस्ट के आंतरिक प्रशासनिक और वित्तीय मामलों में राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी की जांच का कानूनी दायरा आखिर कहां तक है?

यानी सवाल अब केवल यह नहीं रहा कि नोट किसने चुराए। सवाल यह भी है कि व्यवस्था किसने बनाई? उसकी निगरानी किसकी जिम्मेदारी थी? और किस अधिकार से कौन किसकी जांच कर रहा है?

कई बार लोग जिन्न को बोतल से यह सोचकर बाहर निकालते हैं कि वह उनकी इच्छा के मुताबिक कई दिनों के काम मिनटों में निपटा देगा। लेकिन कई दफा होता ठीक इसका उल्टा है। जिन्न ऐसे हालात पैदा कर देता है कि उसे बोतल से निकालने वाले ही मुसीबत में पड़ जाते हैं। कांग्रेस के साथ ऐसा कई बार हुआ है। कुछ मौकों पर बीजेपी ने भी ऐसी गलतियां की हैं। इस बार लगता है योगी बाबा को देर से ही सही, एहसास होने लगा है कि जिन्न गलत दिशा में उड़ चला है।

यहीं से कहानी दिल्ली पहुंचती है

चंपत राय कोई सामान्य नाम नहीं हैं। राम मंदिर आंदोलन और संघ परिवार की लंबी यात्रा में उनकी अपनी जगह है। उन्हें किनारे करना केवल ट्रस्ट के एक पदाधिकारी को हटाना नहीं माना जाएगा। उसके राजनीतिक अर्थ निकाले जाएंगे। और राजनीति की सबसे बड़ी दिक्कत यही है कि यहां अर्थ अक्सर घटना से ज्यादा बड़े हो जाते हैं। शायद योगी सरकार ने एसआईटी बनाते वक्त यह हिसाब नहीं लगाया होगा कि चोरी की रकम से शुरू हुई जांच एक दिन लखनऊ और दिल्ली के राजनीतिक रिश्तों का हिसाब मांगने लगेगी।

अब गेंद दिल्ली के पाले में है..

दिल्ली को तय करना है कि इस पूरे मामले को चोरी की जांच तक सीमित रहने दिया जाए या फिर जिम्मेदारियों की पूरी श्रृंखला खंगाली जाए। अगर श्रृंखला खुली तो सवाल केवल उन छह या आठ लोगों तक नहीं रुकेंगे। एसओपी बनाने वालों से लेकर निगरानी करने वालों तक और प्रशासनिक दखल के कानूनी अधिकार तक हर कड़ी पर सवाल होंगे। योगी बाबा शायद इसी खतरे को भांप चुके हैं। इसलिए अब कोशिश नैरेटिव को समेटने की दिख रही है। चोरी हुई—लेकिन चंद लोगों ने की। जांच होगी—लेकिन पूरे ट्रस्ट को बदनाम मत करो। दोषियों पर कार्रवाई होगी लेकिन अयोध्या की प्रतिष्ठा पर सवाल मत उठाओ। बातें अपनी जगह ठीक हैं। लेकिन जिन्न एक बार बोतल से बाहर आ जाए तो उसे वापस अंदर डालना आसान नहीं होता। अब सवाल सिर्फ यह है कि योगी बाबा की यह रफूगिरी कितनी कारगर होगी? उनके लगाए थेगड़े बीजेपी की साख पर आई आंच को ढक पाएंगे या पैबंद इतने साफ दिखाई देंगे कि पूरी सिलाई ही सवालों के घेरे में आ जाएगी?

फिलहाल इतना तय है— अयोध्या कांड की कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। असल कहानी शायद अब शुरू हुई है...

न्यूज विंडो

आप नेता संजीव अरोड़ा के खिलाफ ईडी ने दाखिल की चार्जशीट

बादशाहपुर (गुरुग्राम)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजीव अरोड़ा के विरुद्ध फर्जी आईफोन निर्यात एवं मनी लॉन्ड्रिंग मामले में विशेष पीएमएलए अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। अरोड़ा को पूरे नेटवर्क का मुख्य साजिशकर्ता बताते हुए आरोप लगाया है कि फर्जी खरीद बिल, निर्यात दस्तावेज और शेल कंपनियों के माध्यम से करीब 103 करोड़ रुपये के अवैध धन को वैध बनाने का प्रयास किया गया।

चीन में जूता फैक्टरी में लगी भीषण आग, 28 की मौत

बीजिंग। चीन के जिनजियांग शहर में स्थित एक जूता फैक्ट्री में आग लग गई, जिसमें फैक्ट्री में काम करने वाले 28 लोगों की मौत हो गई। आग लगने की वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है। चीन का जिनजियांग एक बड़ा मैन्यूफैक्चरिंग हब है और खासकर यहां खेल से जुड़े सामान बनाए जाते हैं। आग फैक्ट्री की पहली मंजिल पर लगी और जल्द ही उसने पांच मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। इसी इमारत में कंपनी का वेयरहाउस और गोदाम था। फैक्ट्री में जूतों से जुड़ा मटेरियल होने की वजह से तेजी से आग फैली।

चित्रा रामकृष्ण को झटका, एनएसई घोटाले में याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की पूर्व प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी चित्रा रामकृष्ण को बड़ा झटका देते हुए को-लोकेशन घोटाला मामले में उनकी याचिका खारिज कर दी। चित्रा रामकृष्ण ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसी एक्ट) के तहत ट्रायल कोर्ट द्वारा संज्ञान लेने के आदेश को चुनौती दी थी।

पूरे देश में सक्रिय हुआ मानसून... लोगों से सतर्कता बरतने की अपील

पहाड़ दरके, मैदान डूबे

यमुनोत्री मार्ग बंद होने से 1000 तीर्थयात्री फंसे, यूपी में 10 की मौत

नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी

देशभर में सक्रिय मानसून से अब कई राज्यों में जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार मानसून ने पूरे देश को सामान्य से दो दिन पहले, मात्र 36 दिनों में कवर कर लिया। हालांकि अगले दो दिनों के बाद बारिश की तीव्रता कुछ कम हो सकती है। इसके बावजूद फिलहाल उत्तर और मध्य भारत से लेकर पश्चिमी तट तथा पूर्वोत्तर तक भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन ने जनजीवन बुरी तरह प्रभावित कर दिया है।

सबसे गंभीर स्थिति उत्तराखंड में बनी हुई है। उत्तरकाशी जिले में स्यानाचट्टी के पास यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग और नालूपानी के पास गंगोत्री हाईवे भूस्खलन के कारण बंद हैं। यमुनोत्री मार्ग अवरुद्ध होने से करीब एक हजार तीर्थयात्री विभिन्न स्थानों पर फंसे हुए हैं, जिन्हें सुरक्षित निकालने के लिए प्रशासन और राहत दल लगातार प्रयास कर रहे हैं। पिथौरागढ़ में आदि कैलाश मार्ग भी चट्टानें गिरने से बंद है, जबकि हरिद्वार में कई इलाकों में तीन से चार फीट तक पानी भरने से यातायात प्रभावित हुआ। लगातार बारिश के कारण राज्य के दस जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है। टिहरी जिले में भूस्खलन के खतरे को देखते हुए तीन परिवारों को सरकारी आवासों से सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया है।

उत्तर प्रदेश में गुरुवार को 69 शहरों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। बारिश से जुड़े अलग-अलग हादसों में 10 लोगों की मौत हो गई। बुलंदशहर में मस्जिद की जर्जर दीवार गिरने से एक ही परिवार के दो लोगों की जान चली गई, जबकि हरदोई में नदी में बहने से दो बहनों की मौत हो गई। कई जिलों में नदियों का जलस्तर बढ़ने और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है।

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड से कई रास्ते हुए बंद। **इनसेट :** गुजरात में करीब 4,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

मलबे में दबे लोग, कई ट्रेनें रद्द

राजस्थान में भी मानसून आफत बनकर बरसा। धौलपुर में बारिश के दौरान मकान ढहने से छह लोग मलबे में दब गए, जबकि अजमेर के किशनगढ़ में कच्चा मकान गिरने से दंपती और उनका बच्चा घायल हो गए। रेलवे ने एहतियातन छह ट्रेनों को रद्द किया है और कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में भारी बारिश और भूस्खलन की आशंका को देखते हुए सभी सरकारी और निजी स्कूल, कॉलेज तथा आंगनबाड़ी केंद्र बंद कर दिए गए हैं। राज्य के कई हिस्सों में सड़कें बाधित हैं और प्रशासन लोगों से अनावश्यक यात्रा न करने की अपील कर रहा है। केरल के वायनाड जिले में सुरंग निर्माण स्थल पर हुए भूस्खलन में मृतकों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। राहत और बचाव दल अब भी मलबे में लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। पूर्वोत्तर के असम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय के कई क्षेत्रों में भी लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं और निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है।

2-3 दिन बाद थमेगी बारिश की रफ़्तार

मौसम विभाग के अनुसार फिलीपींस के उत्तर में प्रशांत महासागर में बने सुपर टायफून 'बावी' का असर बंगाल की खाड़ी की मौसमी गतिविधियों पर पड़ रहा है। इसके कारण अगले कुछ दिनों तक खाड़ी में नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना कम है, जिससे देश के कई हिस्सों में बारिश की तीव्रता अस्थायी रूप से घट सकती है। हालांकि मध्य भारत, पश्चिमी घाट और हिमालयी राज्यों में स्थानीय स्तर पर भारी वर्षा और भूस्खलन का खतरा अभी भी बना रहेगा। मौसम विशेषज्ञों ने लोगों से नदी-नालों, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों और जलभराव वाले इलाकों से दूर रहने तथा प्रशासन की एडवाइजरी का पालन करने की अपील की है। मानसून का यह दौर भले ही कुछ दिनों के लिए धीमा पड़े, लेकिन संवेदनशील क्षेत्रों में खतरा अभी टला नहीं है।

पीएम न्यूजीलैंड रवाना

मोदी बोले-ऑस्ट्रेलियाई टी-20 लीग का ओपनिंग मैच भारत में खेला जाएगा

ऑकलैंड। ऑस्ट्रेलिया की टी-20 लीग बिग बैश लीग का ओपनिंग मैच भारत में खेला जाएगा। मुकाबला चैन्नई के चेपॉक स्टेडियम में 12 दिसंबर को होगा। यह पहली बार होगा, जब किसी विदेशी क्रिकेट लीग का मैच भारत में होगा।

पीएम मोदी ने आज इसकी घोषणा की। मोदी अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के तीसरे और आखिरी दिन मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ भी मौजूद रहे। पीएम इंडोनेशिया और आस्ट्रेलिया दौरे के बाद न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो गए हैं। वे न्यूजीलैंड सरकार के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इसके बाद 40 हजार भारतीयों को संबोधित करेंगे।

चढ़ावा चोरी पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका चीफ जस्टिस की बेंच में 13 को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी की सीबीआई से जांच कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में दो जनहित याचिकाएं दायर की गई हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच 13 जुलाई को इन पर सुनवाई करेगी। बेंच में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वीएस मोहन भी शामिल होंगे। इस मामले में वकील अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव ने याचिका दाखिल की है। राष्ट्रीय जनता दल के सांसद सुधाकर सिंह ने भी इसी मुद्दे पर एक अलग याचिका दी है। इन याचिकाओं में दान और चढ़ावे के कथित गबन और हेरफेर के आरोपों की विस्तृत जांच कोर्ट की निगरानी में सीबीआई से कराने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि इस घटना में एफआईआर दर्ज हो चुकी है और यूपी सरकार ने एक एसआईटी गठित की है, जो अंतरिम रिपोर्ट जमा भी कर चुकी है। फिर भी याचिकाकार्ताओं की मांग है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से जांच के लिए एक विशेष सीबीआई जांच टीम गठित करना जरूरी है। उत्तर प्रदेश सरकार और श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को एक मजबूत ऑडिट व्यवस्था बनाने के लिए निर्देश देने की भी मांग की गई है, ताकि भविष्य में इस तरह की अनियमितताओं पर लगाम लगाई जा सके। सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया गया है कि वह राज्य सरकार और राम मंदिर ट्रस्ट को हिदायत दे कि जांच पूरी होने तक दान से जुड़े सारे रिकॉर्ड और साक्ष्य सुरक्षित रखे। इस बीच गुरुवार को राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने कहा कि महासचिव पद से इस्तीफे के बाद भी चंपत राय नई प्रबंधन व्यवस्था को पूरा सहयोग कर रहे हैं।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर | टाइप-1 और टाइप-2 पीड़ितों के लिए डेनमार्क की दवा कंपनी ने लॉन्च की 'अवीक्ली'

डायबिटीज मरीजों के लिए आई हफ्ते में एक बार लगने वाली इंसुलिन

नई दिल्ली, एजेंसी

मधुमेह (डायबिटीज) के इलाज में भारत को एक बड़ी नई सुविधा मिली है। डेनमार्क की दवा कंपनी नोवो नॉर्डिस्क ने देश में 'अवीक्ली' नाम से दुनिया की पहली सप्ताह में एक बार लगाई जाने वाली बेसल (लॉन्ग-एक्टिंग) इंसुलिन लॉन्च कर दी है। यह दवा टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित वयस्क मरीजों के लिए मंजूर की गई है। अब ऐसे मरीज, जिन्हें रोजाना बेसल इंसुलिन का इंजेक्शन लेना पड़ता था, वे डॉक्टर की सलाह पर सप्ताह में केवल एक बार इंजेक्शन लेकर उपचार करा सकेंगे।

भारत दुनिया के सबसे अधिक डायबिटीज प्रभावित देशों में शामिल है। कंपनी के अनुसार देश में 10 करोड़ से अधिक लोग डायबिटीज और करीब 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटीज से पीड़ित हैं। वर्तमान में लगभग 60 लाख मरीज नियमित इंसुलिन थेरेपी ले रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि रोज इंजेक्शन लगाने की झिझक के कारण कई मरीज समय पर इंसुलिन शुरू नहीं करते। नई साप्ताहिक इंसुलिन इस समस्या को काफी हद तक कम कर सकती है।

एम्स, नई दिल्ली के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. नीरज निश्चल के अनुसार, सप्ताह में एक बार लगने वाली लॉन्ग-एक्टिंग इंसुलिन पहले कुछ देशों में उपयोग की जा रही है और इसके परिणाम उत्साहजनक रहे हैं। इससे रोजाना बेसल इंसुलिन लगाने की आवश्यकता समाप्त हो सकती है, हालांकि भोजन के बाद दी जाने वाली शॉर्ट-एक्टिंग इंसुलिन की जरूरत कई मरीजों में पहले की तरह बनी रह सकती है। उन्होंने कहा कि नई दवा शुरू करते समय सही डोज तय करना बेहद महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि शुरुआती दिनों में ब्लड शुगर बहुत कम होने (हाइपोग्लाइसीमिया) का खतरा रह सकता है। एम्स के ही प्रोफेसर डॉ. नवल विक्रम का कहना है कि इस दवा पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई क्लीनिकल अध्ययन हो चुके हैं, जिनमें इसकी प्रभावशीलता और सुरक्षा के अच्छे परिणाम सामने आए हैं।

विशेषज्ञ की सलाह जरूरी

कंपनी ने इस दवा को भारत में बीती 9 जुलाई को आधिकारिक रूप से लॉन्च किया है। यानी यह दवा अब चरणबद्ध तरीके से देश के प्रमुख शहरों, अस्पतालों और अधिकृत फार्मेसियों में उपलब्ध कराई जा रही है। कंपनी ने 1 मि.ली. और 3 मि.ली. के फ्लेक्सटच पेन बाजार में उतारे हैं। शुरुआती कीमत 1 मि.ली. पेन के लिए लगभग 2,611 रुपये और 3 मि.ली. पेन के लिए 7,833 रुपये रखी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि नई इंसुलिन से मरीजों को सुविधा अवश्य मिलेगी, फिर भी किसी भी मरीज को अपनी मौजूदा इंसुलिन छोड़कर नई साप्ताहिक इंसुलिन पर जाने का निर्णय केवल एंडोक्राइनोलॉजिस्ट या फिजिशियन की सलाह पर ही लेना चाहिए।

हादसे का खतरा... न्यू मार्केट का नगर निगम मल्टी पार्किंग भवन जर्जर

प्रशासन की अनदेखी से लोगों में चिंता, समय रहते मरम्मत की उठी मांग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के व्यस्ततम व्यावसायिक क्षेत्र न्यू मार्केट स्थित नगर निगम की मल्टी पार्किंग भवन की स्थिति लगातार जर्जर होती जा रही है। भवन के कई हिस्सों में दीवारों का प्लास्टर उखड़ चुका है, जगह-जगह दरारें दिखाई दे रही हैं तथा कंक्रीट टूटकर नीचे गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसके बावजूद संबंधित प्रशासन और नगर निगम द्वारा भवन की मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

प्रतिदिन इस मल्टी पार्किंग में सैकड़ों चारपहिया और दोपहिया वाहन खड़े किए जाते हैं। साथ ही बड़ी संख्या में लोग भवन का उपयोग करते हैं। ऐसे में भवन की खराब होती स्थिति किसी

बड़े हादसे को न्योता दे रही है। स्थानीय व्यापारियों और वाहन चालकों का कहना है कि लंबे समय से भवन की मरम्मत की मांग की जा रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग केवल आश्वासन देकर मामले को टाल रहा है।

बारिश के मौसम में भवन की जर्जर स्थिति और अधिक चिंताजनक हो गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार नमी और पानी के रिसाव से भवन की मजबूती पर असर पड़ सकता है। यदि समय रहते तकनीकी जांच और आवश्यक मरम्मत नहीं कराई गई तो भविष्य में कोई गंभीर दुर्घटना हो सकती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मल्टी पार्किंग भवन का तत्काल स्ट्रक्चरल ऑडिट कराया जाए, कमजोर हिस्सों की मरम्मत की जाए तथा आम लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। नागरिकों का कहना है कि किसी अप्रिय घटना का इंतजार करने के बजाय प्रशासन को पहले ही सक्रिय होकर कार्रवाई करनी चाहिए। अब देखना होगा कि नगर निगम और संबंधित अधिकारी इस गंभीर समस्या को कितनी प्राथमिकता देते हैं या फिर किसी बड़े हादसे के बाद ही व्यवस्था जागेगी।

बड़ा तालाब अतिक्रमण मामला: NGT में रिपोर्ट पेश नहीं कर पाया नगर निगम

कोर्ट ने लगाया 20 हजार का जुर्माना कोठी-बंगले छोड़ने पर जताई नाराजगी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बड़े तालाब (भोज वेटलैंड) को अतिक्रमण मुक्त कराने के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने नगर निगम के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है। कई आदेशों के बावजूद एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) प्रस्तुत नहीं करने पर एनजीटी की भोपाल स्थित सेंट्रल जोन पीठ ने निगम पर 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

पर्यावरण कार्यकर्ता राशिद नूर खान द्वारा बड़े तालाब के (एफटीएल) के 50 मीटर बफर जोन के भीतर हुए कथित अवैध निर्माण, भूमि भराव, मलबा और कचरा डंपिंग, जल प्रवाह में बाधा तथा व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर दायर पर न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने सुनवाई की।

याचिका में कहा गया है कि इन गतिविधियों से रामसर साइट घोषित भोज वेटलैंड की पारिस्थितिकी प्रभावित हो रही है और शहर की पेयजल व्यवस्था पर भी खतरा बढ़ रहा है। आवेदक की ओर से अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने बताया कि एनजीटी पूर्व की पांच सुनवाई में नगर निगम को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई और उसकी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दे चुका था।

पिछली सुनवाई में भी निगम को स्पष्ट चेतावनी दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद न तो एटीआर दाखिल की गई और न ही कोई संतोषजनक जवाब प्रस्तुत किया गया। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए ट्रिब्यूनल ने निगम पर 20 हजार रुपये का आर्थिक दंड लगाया है। मामले की अगली सुनवाई 22 जुलाई को होगी।

पिछली सुनवाई में भी लगाई थी फटकार

बता दें कि 28 अप्रैल को हुई सुनवाई में भी अधिकरण ने 12 नवंबर 2025 से फरवरी 2026 तक कई बार निर्देश दिए जाने के बावजूद अतिक्रमण हटाने, फुल टैंक लेवल (एफटीएल) और बफर जोन का सीमांकन करने तथा पारिस्थितिकी आकलन की रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करने पर निगम को फटकार लगाई थी। तब निगम ने एनजीटी के सामने तर्क दिया कि अतिक्रमण हटाना एक सतत प्रक्रिया है और कई मामलों में उच्च न्यायालय से स्टे आदेश मिल जाते हैं, जिसके कारण कार्रवाई नहीं हो पा रही है। हालांकि, ट्रिब्यूनल ने प्रशासन की धीमी कार्रवाई पर कड़ा रुख बरकरार रखते हुए कहा कि जहां स्टे आदेश नहीं हैं, वहां तत्काल कार्रवाई की जाए।

347 में से सिर्फ 57 अवैध निर्माणों पर हो सकी कार्रवाई

दरअसल, एनजीटी ने बड़े तालाब के एफटीएल के 50 मीटर दायरे में अवैध निर्माणों को चिह्नित कर हटाने के निर्देश दिए थे। करीब साढ़े चार महीने पहले जिला प्रशासन और नगर निगम ने संयुक्त रूप से सीमांकन करते हुए 347 अवैध निर्माण चिह्नित किए थे। हालांकि, चिह्नित अवैध निर्माणों में से अब तक केवल 57 ही हटाए जा सके हैं, जबकि 290 निर्माण अब भी जस के तस खड़े हैं। इनमें कई आलीशान कोठी और बंगले शामिल हैं। अभी बोट क्लब क्षेत्र के कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और अन्य निर्माणों पर भी कार्रवाई लंबित है।

वक्फ बोर्ड विवाद आज सड़क से मस्जिद तक

विरोध में ताजुल मसाजिद में मुस्लिम काली पट्टी बांधकर अदा करेंगे जुमे की नमाज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति को लेकर शुरू हुआ विवाद अब नए चरण में पहुंच गया है। आज राजधानी भोपाल की ऐतिहासिक ताजुल मसाजिद में मुस्लिम काली पट्टी बांधकर जुमे की नमाज अदा कर रहे है। इसे वक्फ बोर्ड के गठन के विरोध में प्रतीकात्मक प्रदर्शन बताया जा रहा है। मुस्लिम संगठनों का कहना है कि विरोध पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा और इसके जरिए सरकार तक अपनी आपत्ति पहुंचाई जाएगी। जानकारी के अनुसार शहर के विभिन्न इलाकों से नमाजी जुमे की नमाज के लिए ताजुल मसाजिद पहुंचे।

नमाज के दौरान हाथों पर काली पट्टी बांधकर वक्फ बोर्ड में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल किए जाने के फैसले का विरोध दर्ज कराया जा रहा है। आयोजकों का कहना है कि यह विरोध किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि सरकार के फैसले के खिलाफ है।

प्रदर्शन से इस्तीफों तक पहुंचा विरोध

वक्फ बोर्ड के गठन के बाद से राजधानी में विरोध तेज होता गया। सबसे पहले ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी ने भोपाल में प्रदर्शन कर दो गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति का विरोध किया। इसके बाद संगठन ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर वर्तमान वक्फ बोर्ड को भंग करने और आदेश वापस लेने की मांग की। काज़ी मोहम्मद मआज़ खान नोमानी नदवी निकाह काज़ी और दीनी तालीमी बोर्ड के महासचिव पद से इस्तीफा देते हुए वक्फ बोर्ड के कुछ सदस्यों के समर्थन पर वैचारिक असहमति जता चुके हैं।

उलेमा भी खुलकर आए सामने

कई उलेमा और मुस्लिम संगठनों के पदाधिकारियों ने भी सरकार के फैसले का विरोध किया है। जमीयत उलेमा मध्य प्रदेश के सदर मुफ्ती मोहम्मद अहमद ने सरकार के पारदर्शिता वाले तर्क पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि यही व्यवस्था लागू करनी है तो अन्य धर्मों की समितियों में भी मुस्लिमों को प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। वहीं नायब सदर मुफ्ती जिया कासमी ने भी इसी तरह का सवाल उठाते हुए कहा कि यदि सरकार की मंशा पारदर्शिता लाने की है तो यह व्यवस्था सभी धार्मिक संस्थाओं पर समान रूप से लागू हो।

स्वागत समारोह के बाद और बढ़ा विवाद

विवाद उस समय और गहरा गया जब मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के नव नियुक्त अध्यक्ष सनव्वर पटेल के स्वागत का कार्यक्रम हुआ। इसके बाद कई धार्मिक पदाधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से इस पर आपत्ति जताई। कुछ ने वीडियो संदेश जारी किए तो कुछ ने बयान देकर विरोध दर्ज कराया। निकाह काज़ी मआज़ खान ने भी अपने इस्तीफे की वजहों में इसी घटनाक्रम का उल्लेख किया था। जुमे की नमाज के दौरान होने वाला काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सनातन काल से समाज का हिस्सा रही है लघुकथा - कांता रॉय

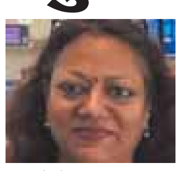

भोपाल। दोपहर मेट्रो

लघुकथा शोध केंद्र भोपाल की लखनऊ शाखा के पुनर्गठन के बाद पहली ऑन लाइन गूगल संगोष्ठी संपन्न हुई। निदेशक लघुकथा शोध केंद्र कांता रॉय ने कहा कि लघुकथा हमारे समाज का सनातन समय से अनिवार्य हिस्सा रही है इसकी बीज भूमियां हमारे वेद पुराण उपनिषदों में मिलती हैं। हमें व्यक्ति नहीं विधा केंद्रित कार्य करना चाहिए। साथ ही लघुकथा में अकादमिक और शोध के कार्यों को बढ़ावा देना आवश्यक है। वरिष्ठ और युवा रचनाकारों के मध्य सतत संवाद सेतु होना चाहिए। शाखा की सचिव श्रीमती रेणुका सिंह ने शाखा के उद्देश्य और उत्थान पर बात की । भोपाल केंद्र के सचिव घनश्याम मैथिल अमृत ने लघुकथा के संवर्धन हेतु अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए और नवगठित शाखा के पदाधिकारियों को बधाई दी । लखनऊ शाखा की अध्यक्ष अंजू निगम ने अपने स्वागत वक्तव्य में भविष्य में शाखा को लघुकथा सृजन,शोध, प्रशिक्षण तथा नवाचार का अग्रणी केंद्र बनायें जाने पर जोर दिया। शाखा की कार्यकारिणी पदाधिकारी रेखा श्रीवास्तव ने मूक संवाद , अन्नपूर्णा बाजपेई ने सैंडबिच, अंजू निगम ने वैशाखी रेनूका सिंह ने स्वार्थी, संजीव आहूजा ने वजन रिश्तों का, वीना सिंह से ने बुआ, अर्चना गंगवार ने खिड़की के उस पार, पंकज जोशी ने प्रायश्चित, सीमा अग्रवाल जागृति ने दो गिद्ध, सुषमा सिंह ने स्वाभिमान लघुकथाओं का वाचन किया। समीक्षक के तौर पर वरिष्ठ पत्रकार विनय श्रीवास्तव की उपस्थिति रही। आभार सीमा जागृति ने प्रकट किया।

पुलिस का सर्च ऑपरेशन... बैरिकेड्स लगाकर वाहनों की जांच; कई लोगों से पूछताछ भी की

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल के पुराने शहर में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा अपराधियों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से देर रात पुलिस ने व्यापक चेकिंग और सर्च अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुराने शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में प्रमुख चौराहों, बाजारों और संवेदनशील इलाकों में बैरिकेड्स लगाकर वाहनों की गहन जांच की गई। पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में देर रात तक चली इस कार्रवाई के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी गई। पुराने शहर के प्रमुख मार्गों, बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर चेकिंग प्वाइंट बनाए। यहां से गुजरने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहनों को रोककर उनके दस्तावेजों की जांच की गई। वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन, बीमा और अन्य

जरूरी दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। पुलिस ने देर रात बिना किसी उचित कारण के घूम रहे लोगों से पूछताछ की। उनकी पहचान की पुष्टि करने के साथ ही संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने की आशंका वाले व्यक्तियों पर विशेष नजर रखी गई। आवश्यकतानुसार पुलिस ने उनसे विस्तृत जानकारी लेकर आगे की कार्रवाई भी की।

चेकिंग अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की गई। हेलमेट नहीं पहनने, आवश्यक दस्तावेज नहीं रखने और अन्य ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के चालान काटे गए। पुलिस ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की भी हिदायत दी। वाहनों की जांच के साथ-साथ पुलिस ने पुराने शहर के संवेदनशील इलाकों में पैदल गश्त भी की। इस दौरान बाजारों और रिहायशी क्षेत्रों में मौजूद लोगों से बातचीत कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। शहर में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने और असामाजिक तत्वों में कानून का भय कायम रखने के लिए इस तरह के सघन चेकिंग और सर्च अभियान आगे भी नियमित रूप से चलाए जाएंगे।

गर्भधारण होने पर खुलासा

बालिका से दुष्कर्म करता रहा वकील पुलिस के शिकंजे में

भोपाल। दोपहर मेट्रो

14 वर्षीय बालिका को ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करने के मामले में बिलखिरिया पुलिस ने एक वकील को गिरफ्तार किया है।आरोप है कि वकील ने बालिका का नहाते समय आपत्तिजनक वीडियो बनाया था और फिर उसे वायरल करने की धमकी देकर उससे जबरन संबंध बना रहा था। पीड़िता का गर्भधारण होने पर पिछले दिनों खुलासा हुआ। शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। थाना प्रभारी उमेश सिंह ने बताया कि आरोपित और पीड़िता एक ही क्षेत्र के रहने वाले हैं। 14 वर्षीय बालिका स्कूली छात्रा है, जबकि 23 वर्षीय आरोपि वकालत करता है। करीब एक साल पहले आरोपीने बालिका के नहाते समय का वीडियो रिकार्ड कर लिया था। इसके बाद उसने वीडियो वायरल करने का डर दिखाकर पीड़िता को मिलने बुलाया और दुष्कर्म किया। बीते एक साल में आरोपित ने कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाए। अंतिम बार मई 2026 में आरोपित ने पीड़िता से संबंध बनाए थे। जिसके बाद वह गर्भवती हो गई थी। पीड़िता ने जब आरोपी को गर्भधारण होने की बात बताई तो आरोपी ने उसे गर्भनिरोधक गोलियां दीं। जिसके सेवन के बाद पीड़िता को अत्यधिक रक्तस्त्राव होने लगा। उसके परिजनों को जब मालूम हुआ तो उन्होंने पीड़िता से पूछताछ की, जिसके बाद उसने ब्लैकमेलिंग की पूरी बात बताई। शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार किया।

मेट्रो एंकर

जून माह में आए भोपाल के 23 मामले

भरण-पोषण के मामलों में महिलाएं पहुंच रहीं महिला आयोग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

अकेले जून महीने में भोपाल जिले से भरण-पोषण के 23 मामले राज्य महिला आयोग पहुंचे। इनमें कई मामलों में सुनवाई कर तुरंत राहत दी गई, जबकि कुछ मामलों की सुनवाई इस माह प्रस्तावित है। आयोग पारिवारिक विवादों में समझाइश, काउंसलिंग और दोनों पक्षों के बीच संवाद के जरिए समाधान निकालने का प्रयास कर रहा है। आयोग अध्यक्ष रेखा यादव का कहना है कि महिलाओं के सम्मान और अधिकार की रक्षा उनकी प्राथमिकता है।

कोर्ट की लंबी प्रक्रिया से बचने और विवाद को ज्यादा बढ़ाए बिना हल निकालने अब महिलाएं राज्य महिला आयोग का रुख कर रही हैं। मध्यप्रदेश में लंबे समय तक आयोग अध्यक्ष और सदस्यों के बिना संचालित हो रहा था, जिससे मामलों के त्वरित समाधान में परेशानी आ रही

थी। अब नई नियुक्तियों के बाद महिलाओं का आयोग पर विश्वास फिर बढ़ने लगा है। यही कारण है कि भरण-पोषण जैसे मामले भी बड़ी संख्या में आयोग पहुंच रहे हैं।

भोपाल के एक उच्च मध्यम वर्गीय परिवार से जुड़े मामले में पत्नी ने अपने और बेटे के लिए प्रतिमाह 40 हजार रुपये भरण-पोषण की मांग की। महिला ने पति पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और पत्नी को सम्मान नहीं देने का आरोप लगाया। आयोग ने दोनों पक्षों को बुलाकर संवाद कराया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए। पति ने पत्नी को वापस घर ले जाने की इच्छा जताई, जबकि पत्नी ने भी कहा कि वह घर तोड़ना नहीं चाहती और तीन माह तक पति का व्यवहार देखकर आगे का निर्णय लेगी।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव ने कहा कि आयोग की प्राथमिकता पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाना है। मामला चाहे पारिवारिक विवाद का हो या कार्यस्थल से जुड़ा, महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। आयोग काउंसलिंग, संवाद और कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से महिलाओं को त्वरित राहत देने की दिशा में लगातार काम कर रहा है।

दूसरी शादी के बाद पति ने छोड़ा साथ

एक अन्य मामले में पीड़िता ने आयोग को बताया कि उसके पति ने दूसरी शादी कर ली है। अब वह न तो पत्नी को अपने साथ रखना चाहता है और न ही बच्चों की जिम्मेदारी उठाने को तैयार है। महिला ने अपने और बच्चों के भरण-पोषण की मांग आयोग के सामने रखी। सुनवाई के लिए बुलाए जाने के बावजूद पति आयोग के सामने उपस्थित नहीं हुआ। इसके बाद आयोग ने मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

ससुराल से निकाली गई महिला को मिली राहत

बीते माह 11 जून को हुई जनसुनवाई में एक महिला अपने तीन बच्चों के लिए भरण-पोषण की मांग लेकर आयोग पहुंची। महिला ने बताया कि उसके रिटायर्ड पुलिसकर्मी ससुर ने उसे घर से निकाल दिया और सास, देवर, देवरानी सहित अन्य लोगों ने उसके साथ मारपीट भी की। पति को चार साल पहले ब्रेन ट्यूमर होने के बाद से ससुराल पक्ष का व्यवहार पूरी तरह बदल गया। महिला ने बताया कि वह अपने बच्चों के साथ किराए के मकान में रहने को मजबूर है। मामले में आयोग ने परिवार को बुलाकर महिला को त्वरित आर्थिक राहत दिलाई और घर वापसी को लेकर काउंसलिंग भी शुरू कराई है।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना... अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे ग्वालियर-जबलपुर

युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में इंदौर-भोपाल से आगे निकले सतना-कटनी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार देने के मामले में छोटे शहरों ने मेट्रो सिटी को भी पछाड़ दिया है। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना (एमएमयूकेवाय) के चालू वित्त वर्ष 2026-27 की रिपोर्ट के अनुसार, 72.36 करोड़ रुपए के बैंक ऋण वितरित किए गए। इनमें इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे बड़े शहरों का प्रदर्शन अपेक्षाओं पर खरा नहीं रहा। उद्योग संचालनालय की शुरुआती तिमाही रिपोर्ट में 927 हितग्राहियों को स्वरोजगार से जोड़ने आर्थिक सहायता मिलना बताया गया है। इनमें सतना, कटनी और रीवा जैसे जिलों ने बेहतर प्रदर्शन कर यह संकेत दिया है कि, स्वरोजगार के प्रति छोटे शहरों के युवाओं में उत्साह और पहल अधिक दिखाई दे रही है।

प्रदेश में सतना ने सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 58 मामलों में 4.99 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया और पहला स्थान हासिल किया। जबकि, इंदौर में जून तक केवल 40 मामलों में 2.61 करोड़ रुपए, भोपाल में 32 मामलों में 3.03 करोड़ रुपए का ऋण वितरित हो सका। विभाग के जानकार बताते हैं कि, युवाओं में अभी स्वरोजगार को लेकर जागरूकता में कमी भी है तो कुछ ऐसे भी मामले सामने आते हैं, जिसमें विभाग और बैंकर्स के चक्कर में युवाओं को लाभ नहीं मिला।

तीन माह में इन जिलों ने की पहल

जिला	स्वीकृत प्रकरण	वितरित ऋण
सतना	58	4.99
रीवा	49	2.88
इंदौर	40	2.61
भोपाल	32	3.03
कटनी	31	4.20
ग्वालियर	21	1.57
जबलपुर	15	1.49
आलीराजपुर	01	0.05
शाजापुर	01	0.25

(राशि करोड़ रुपए)

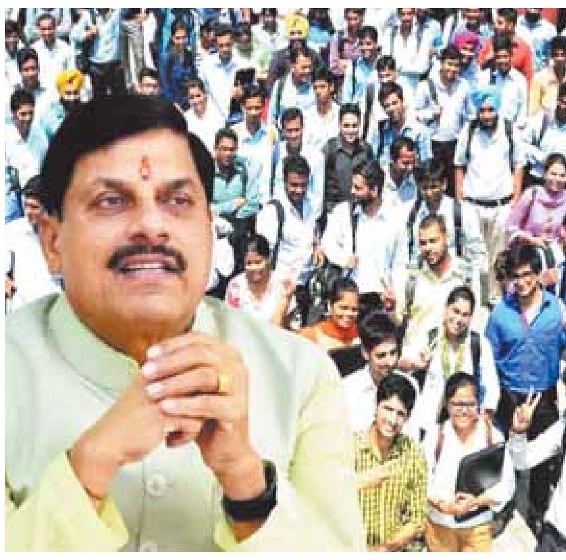

मेट्रो सिटी पर भारी पड़े यह जिले

प्रदेश की आर्थिक और प्रशासनिक राजधानी कहलाने वाले इंदौर और भोपाल युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में छोटे जिलों से भी पीछे रहे। सतना में सबसे ज्यादा 58 मामले तो कटनी ने 31 प्रकरणों के बावजूद 4.20 करोड़ रुपए बांटे हैं, जो लोन राशि के मामले में पूरे प्रदेश में दूसरे नंबर पर है। हैरानी की बात ये है कि, रीवा में 49 प्रकरणों में 2.88 करोड़ रुपए का वितरण कर इंदौर-भोपाल को कड़ी टक्कर दी है। वहीं, दूसरी तरफ अलीराजपुर (1 मामला, 5 लाख) और शाजापुर (1 मामला, 25 लाख) पूरे मध्य प्रदेश में सबसे फिसड्डी साबित हुए हैं। स्वरोजगार योजनाओं से जुड़ने को लेकर युवाओं में अभी जागरूकता की कमी भी दिखी है।

क्या है योजना? कैसे मिलता है लाभ

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना शिक्षित युवाओं को खुद का व्यवसाय या उद्योग शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता और बैंक ऋण प्रदान करने वाली एक प्रमुख स्वरोजगार योजना है। इसके तहत विनिर्माण उद्योग के लिए 1 से 50 लाख रुपए तक साथ ही सेवा-व्यापार के लिए 1 से 25 लाख तक का ऋण दिया जाता है। आवेदक की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच और परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए।

किसानों की समृद्धि का संकल्प... सीएम ने दिखाई विकास की नई तस्वीर, कहा-

किसान, महिला व युवा सरकार की प्राथमिकता प्रदेश में सिंचाई रकबा 55 लाख हेक्टेयर के पार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को गति देने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाजापुर जिले के कालापीपल में आयोजित किसान समृद्धि संकल्प सम्मेलन में कहा कि प्रदेश में कृषि और कृषक सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। किसान कल्याण वर्ष में किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं, जिनका सीधा लाभ प्रदेश के अन्नदाताओं को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई का क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है और अब सिंचित रकबा 55 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गया है। इससे कृषि उत्पादन में वृद्धि हो रही है और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य किसानों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराकर कृषि को और अधिक लाभकारी बनाना है।

किसान सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कालापीपल क्षेत्र में कुल 30.86 करोड़ रुपये लागत के 12 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इनमें 1.45 करोड़ रुपये के चार कार्यों का भूमि-पूजन तथा 29.39 करोड़ रुपये लागत के आठ कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और पंचायत सुविधाओं को मजबूती मिलेगी।

सिंचाई विस्तार से बदलेगी किसानों की किस्मत

मुख्यमंत्रीने कहा कि प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना सहित नदी जोड़ो योजनाओं से लाखों हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। इससे शाजापुर सहित कई जिलों के किसानों को लंबे समय तक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि शाजापुर जिले के हर गांव तक नर्मदा का पानी पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों को सिंचाई के लिए रात में खेतों पर जाने की जरूरत न पड़े, इसके लिए चरणबद्ध तरीके से दिन में बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है।

किसानों को मिलेगा पूरे साल का फसल ऋण

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब किसानों को खरीफ और रबी फसलों के लिए अलग-अलग ऋण लेने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें पूरे वर्ष के लिए एक ही फसल ऋण उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इससे किसानों को आर्थिक सुविधा मिलेगी और कृषि कार्यों में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि सरकार कृषि लागत कम करने, उत्पादन बढ़ाने और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, वहीं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए गौपालकों को विशेष सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

महिलाओं को मिला आर्थिक संबल

मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली बहना योजना के तहत अब तक करीब 60 हजार करोड़ रुपये की राशि प्रदेश की बहनों के खातों में अंतरित की जा चुकी है। इस योजना से महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिली है और वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

दतिया उपचुनाव...भारती बदल चुके चार दल

2018 में बजी थी नरोत्तम के लिए खतरे की घंटी,11 हजार की लीड घटकर 2656 पर आ गई थी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दतिया विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को मतदान होना है। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही दलों ने अब तक उम्मीदवारों के नामों का ऐलान नहीं किया है। बीजेपी की ओर से पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का नाम लगभग तय माना जा रहा है।

दतिया विधानसभा में पिछले आठ चुनावों का परिणाम बताता है कि 2018 में ही डॉ. नरोत्तम मिश्रा के लिए खतरे की घंटी बज चुकी थी। लगातार मजबूत पकड़ रखने वाले नरोत्तम उस चुनाव में कांग्रेस के राजेंद्र भारती को महज 2,656 वोट से हरा पाए थे।

पांच साल बाद 2023 में यही मुकाबला पलट गया और राजेंद्र भारती ने 7,742 वोटों से नरोत्तम मिश्रा को हरा दिया। अब नरोत्तम अपने सार्वजनिक कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं और मतदाताओं से ÷गलतियों÷ के लिए माफी मांग रहे हैं, जबकि कांग्रेस इसे उनकी राजनीतिक स्वीकारोक्ति बता रही है। दतिया विधानसभा के चुनावी आंकड़े भी इसी बदलते ट्रेंड की कहानी कहते हैं।

जब बेटिकट हुए भारती तभी बागी होकर लड़े

राजेन्द्र भारती के पिता श्याम सुंदर श्याम दतिया से चार बार विधायक रहे। 1985 में राजेंद्र भारती ने पहला विधानसभा चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। इसके बाद 1990 में दूसरी बार कांग्रेस से विधायक बने। 1993 में कांग्रेस ने घनश्याम सिंह को उतारा और वे दतिया से जीत गए। 1998 के चुनाव में कांग्रेस ने चंदन सिंह को टिकट दिया तो राजेंद्र भारती बागी होकर समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़े और उन्होंने जीत दर्ज की।

2003 में जीते थे घनश्याम सिंह

2003 में कांग्रेस ने फिर घनश्याम सिंह को टिकट दिया तो राजेंद्र भारती एनसीपी से चुनाव लड़ गए, लेकिन उन्हें हार मिली और घनश्याम सिंह फिर चुनाव जीत गए। 2008 में कांग्रेस ने घनश्याम सिंह को फिर प्रत्याशी बनाया तो राजेंद्र भारती बसपा से चुनाव लड़े। इस चुनाव में बीजेपी के नरोत्तम मिश्रा जीत गए। 2013 में राजेंद्र भारती ने कांग्रेस में वापसी कर चुनाव लड़ा। उन्हें लगातार दो चुनावों 2013 और 2018 में हार का सामना करना पड़ा। 2023 में वे नरोत्तम मिश्रा को चुनाव हराकर विधानसभा पहुंचे।

इंदौर नगर निगम में नक्शों का बड़ा खेल!

राजस्व में करोड़ों रु. की सेंध की आशंका आयुक्त ने खुलवाई एक साल की फाइलें

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर नगर निगम में भवन नक्शों की मंजूरी को लेकर बड़ा खेल सामने आने की आशंका है। पिछले साल नक्शा पास करने से मिलने वाले राजस्व में आई अप्रत्याशित गिरावट के बाद नगर निगम प्रशासन हरकत में आ गया है। निगम आयुक्त ने पिछले एक साल में पास हुए सभी भवन नक्शों की जांच के आदेश दे दिए हैं। जांच की सबसे खास बात यह है कि जिस जोन में नक्शा पास हुआ, उसकी जांच उसी जोन के अधिकारी नहीं, बल्कि दूसरे जोन के अधिकारी करेंगे, ताकि किसी भी तरह का पक्षपात या गड़बड़ी दबाई न जा सके।

कमाई घटी तो खुलने लगीं फाइलें

नगर निगम को हर साल भवन निर्माण के नक्शे पास करने से करोड़ों रुपए का राजस्व मिलता है। लेकिन इस बार पिछले वर्षों की तुलना में राजस्व में बड़ी कमी दर्ज की गई। राजस्व में आई इस गिरावट ने निगम प्रशासन को संदेह में डाल दिया कि कहीं नियमों की अनदेखी कर कम शुल्क लेकर नक्शे तो पास नहीं किए गए या फिर कहीं राजस्व की हेराफेरी तो नहीं हुई।यही वजह है कि अब पूरे मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई है।

दूसरे जोन के अधिकारी करेंगे जांच

निगम आयुक्त ने जांच प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाने के लिए अलग व्यवस्था लागू की है। अब एक जोन में पास हुए नक्शों की जांच दूसरे जोन के अधिकारी करेंगे। माना जा रहा है कि इससे यदि किसी स्तर पर मिलीभगत हुई होगी तो उसके सामने आने की संभावना बढ़ जाएगी।

जेल विभाग में 10 वर्ष बाद पदोन्नति, चरणबद्ध रूप से जारी होंगे आदेश

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के पदोन्नति संबंधी निर्णय के अनुपालन में जेल विभाग में लगभग 10 वर्षों के अंतराल के बाद अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जेल मुख्यालय द्वारा विभिन्न संवर्गों के पात्र अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पदोन्नति आदेश जारी किए गए हैं। यह निर्णय विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मनोबल को सुदृढ़ करने के साथ-साथ प्रशासनिक दक्षता एवं कार्यकुशलता को और अधिक प्रभावी बनाएगा। जेल मुख्यालय द्वारा जारी आदेशों के अनुसार सहायक ग्रेड-1, स्टेनो टाइपिस्ट, लेखापाल, उप अधीक्षक (उद्योग), वरिष्ठ बुनाई प्रशिक्षक, वरिष्ठ बढ़ईगिरी प्रशिक्षक, दफ्तरी तथा जमादार के पदों पर पात्र अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया है।

वीबी-जी रामजी योजना के लिए मप्र में बढ़ा बजट

ग्रामीणों को 100 की जगह 125 दिन रोजगार मिलेगा

नई व्यवस्था में 10 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का है प्रावधान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में ग्रामीणों को रोजगार देने वाली योजना वीबी-जी रामजी की शुरुआत हो गई है। खास बात यह है कि इस योजना का बजट पिछले योजना मनरेगा से भी ज्यादा है। मनरेगा के दौरान पांच साल में 6 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च हुए थे। नए योजना वीबी-जी रामजी में केवल एक वित्तीय वर्ष के लिए ही 10 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का प्रावधान किया गया है। नई योजना में अब ग्रामीणों को 125 दिन रोजगार दिया जाएगा। वहीं इसके पहले मनरेगा में 100 दिन के रोजगार की गारंटी थी। इसके साथ ही योजना में मजदूरी का राष्ट्रीय न्यूनतम स्तर भी बढ़ाया गया है। नई योजना में राज्य सरकार के ऊपर ज्यादा जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आंकडों को देखें तो पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग का बजट 40 हजार करोड़ रुपये से कुछ ज्यादा है। ऐसे में वीबी-जी रामजी योजना पर इसका सबसे ज्यादा बजट 10 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च होगा।

मनरेगा और वीबी-जी रामजी में यह है बड़ा फर्क

वीबी-जी रामजी में ग्रामीणों को दिए जाने वाले कामों को विस्तार दिया गया है। मनरेगा केवल गांवों में कुएं, तालाब और सड़क बनाने जैसे कामों तक ही सीमित था। लेकिन नई योजना में पशुपालन, मछली पालन, कृषि से जुड़े कार्यों को भी शामिल किया गया है। पिछली योजना में केवल रोजगार दिया जाता था। नई योजना में रोजगार के साथ ग्रामीणों को पक्की

लोक निर्माण की बड़ी कार्रवाई

लापरवाही पर अधिकारियों को थमाया नोटिस, ठेकेदारों के पंजीयन निलंबित

भोपाल। लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रदेशभर में औचक निरीक्षण की कार्रवाई लगातार जारी है। विगत 6 जुलाई को मुख्य अभियंताओं के 7 दलों ने रायसेन, पांढुर्णा, शिवपुरी, बुरहानपुर, उमरिया, मंदसौर एवं निवाड़ी जिलों में निर्माणाधीन एवं पूर्ण कार्यों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण में कुल 34 निर्माण कार्यों का रेंडम आधार पर परीक्षण किया गया, जिनमें लोक निर्माण विभाग (सड़क एवं पुल) के 21, पीआईयू के 6, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के 6 तथा मध्यप्रदेश भवन विकास निगम का 1 कार्य शामिल रहा। निरीक्षण प्रतिवेदनों की समीक्षा प्रमुख अभियंता (सड़क/पुल) आरएल वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में की गई। बैठक में प्रमुख अभियंता (एमपीआरडीसी) केपीएस राणा, प्रमुख अभियंता (भवन) एस.आर. बघेल, प्रमुख अभियंता (बीडीसी) अजय श्रीवास्तव सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं सभी निरीक्षण दल ऑनलाइन उपस्थित रहे। समीक्षा में बुरहानपुर जिले के सुंदर नगर-कुंदन डेयरी रोड स्थित पंडारोल नाला पर निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पुल के कार्य में गुणवत्ता संबंधी कमियां पाए जाने पर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं तत्कालीन कार्यपालन यंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। बुरहानपुर जिले में हिवरा फाटा-हैदरपुर फाटा सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता भी अपेक्षित स्तर की नहीं मिलने पर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी के विरुद्ध नोटिस जारी करने के आदेश दिए हैं।

मेट्रो एंकर

सारंगपुर का स्वदेशी ट्रांसफार्मर बना भरोसे की मिसाल

50 सालों से कृषि-घरेलू उपभोक्ताओं को कर रहा बिजली आपूर्ति

राजगढ़, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के राजगढ़ जिले के सारंगपुर स्थित सब-स्टेशन में भारत की सरकारी कंपनी एनजीईएफ (न्यू गवर्नमेंट इलेक्ट्रिक फैक्ट्री) द्वारा 1976 का निर्मित 20 एमवीए क्षमता का एक पावर ट्रांसफार्मर आज केवल विद्युत उपकरण नहीं, बल्कि मालवा क्षेत्र के विकास, तकनीकी उत्कृष्टता और समर्पित रखरखाव की एक जीवंत मिसाल बन चुका है। वर्ष 1976 में पहली बार ऊर्जीकृत हुआ यह ट्रांसफार्मर पिछले 50 वर्षों से प्रदेश के औद्योगिक, कृषि एवं घरेलू उपभोक्ताओं को निरंतर और विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति कर रहा है।

आधी शताब्दी की अपनी गौरवशाली यात्रा में इस ट्रांसफार्मर ने मौसम, तकनीक, विभिन्न क्षेत्र और विद्युत तंत्र के अनेक बदलाव देखे हैं, लेकिन सत्तर के दशक में निर्मित इसकी उच्च गुणवत्ता और मजबूत अभिकल्पना के कारण इसकी कार्यक्षमता एवं विश्वसनीयता आज भी उल्लेखनीय बनी हुई है। यह उस दौर का साक्षी है जब मालवा क्षेत्र औद्योगिक विकास की गति तेज हो रही है, यह आज भी उसी निष्ठा के साथ विकास की ऊर्जा का आधार बना हुआ है।

संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग का प्रेरक उदाहरण- ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि आज जब ऊर्जा क्षेत्र में उपयोग में आने वाले उपकरणों और तेजी से बदलती तकनीकों के बीच संसाधनों के अधिकतम उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया जा रहा है, तब सारंगपुर का यह ट्रांसफार्मर एक प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आता है। यह केवल लोहे, तांबे और तेल से निर्मित मशीन नहीं, बल्कि उन हजारों अभियंताओं, तकनीशियनों और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता का प्रतीक है जिन्होंने पांच दशकों तक इसकी कार्यक्षमता और विश्वसनीयता को बनाए रखा।

निर्धारित आयु से दोगुनी सेवा दे रहा है ट्रांसफार्मर

विद्युत क्षेत्र के मानकों के अनुसार किसी पॉवर ट्रांसफार्मर की सामान्य उपयोगी आयु लगभग 25 वर्ष मानी जाती है। इसके विपरीत सारंगपुर का यह ट्रांसफार्मर अपनी निर्धारित आयु से दोगुना अर्थात 50 वर्षों तक सफलतापूर्वक सेवा प्रदान कर रहा है, जो अपने आप में एक उल्लेखनीय तकनीकी उपलब्धि है। इस ट्रांसफार्मर का निर्माण एनजीईएफ (न्यू गवर्नमेंट इलेक्ट्रिकल फैक्ट्री) द्वारा किया गया था। कर्नाटक सरकार ने वर्ष 1956 में बेंगलुरु में इस सरकारी उपक्रम की स्थापना की थी। जर्मनी की एईजी कंपनी के तकनीकी सहयोग से प्रारंभ हुए इस उपक्रम ने देश और विदेश में अनेक बड़े पावर ट्रांसफार्मरों की सफल आपूर्ति की। लगभग 46 वर्षों तक उत्कृष्ट श्रेणी के विद्युत उपकरणों का निर्माण करने के बाद वर्ष 2002 में यह उपक्रम बंद हो गया। इस असाधारण सफलता के पीछे तत्कालीन मध्यप्रदेश विद्युत मंडल, मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मंडल तथा वर्तमान एमपी ट्रांसको के अभियंताओं एवं तकनीकी कर्मचारियों की दशकों की मेहनत, दूरदर्शिता और प्रभावी रखरखाव नीति रही है।

इंडो-पैसिफिक नीति को नई धार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित ऑस्ट्रेलिया यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब हिंद-प्रशांत (इंडो-पैसिफिक) क्षेत्र वैश्विक राजनीति, व्यापार और सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के संबंध पिछले एक दशक में अभूतपूर्व गति से मजबूत हुए हैं। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और मुक्त एवं सुरक्षित समुद्री मार्गों के समर्थक हैं। ऐसे में यह यात्रा केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा सहयोग लगातार बढ़ रहा है। दोनों देश संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रहे हैं और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में सूचनाओं का आदान-प्रदान भी बढ़ा है। दोनों की साझेदारी क्वाड (Quad) के माध्यम से और अधिक मजबूत हुई है, जिसमें अमेरिका और जापान भी शामिल हैं। इस मंच का उद्देश्य किसी देश के खिलाफ गठबंधन बनाना नहीं, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता, आपदा प्रबंधन, समुद्री सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करना है।

आर्थिक दृष्टि से भी यह यात्रा महत्वपूर्ण है। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते (ECTA) के लागू होने के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। अब व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (CECA) को अंतिम रूप देने की दिशा में प्रगति की अपेक्षा है। ऑस्ट्रेलिया भारत के लिए कोयला, लिथियम और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों का विश्वसनीय स्रोत बन सकता है, जबकि भारत ऑस्ट्रेलिया के लिए विशाल उपभोक्ता बाजार और तकनीकी साझेदार के रूप में उभर रहा है। शिक्षा, अनुसंधान और कौशल विकास भी दोनों देशों के सहयोग के प्रमुख क्षेत्र हैं। बड़ी संख्या में भारतीय विद्यार्थी ऑस्ट्रेलिया में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और भारतीय मूल का समुदाय वहां दोनों देशों के बीच एक सशक्त सामाजिक और आर्थिक सेतु की भूमिका निभा रहा है।

हालांकि, इस साझेदारी की वास्तविक सफलता केवल समझौतों पर हस्ताक्षर से नहीं मापी जाएगी। आवश्यक यह है कि निवेश, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति, साइबर सुरक्षा और रक्षा उत्पादन जैसे क्षेत्रों में घोषित योजनाएं धरातल पर तेजी से लागू हों। वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में दोनों देशों के बीच भरोसेमंद और दीर्घकालिक सहयोग समय की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा भारत की सक्रिय विदेश नीति का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। यदि इससे रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी सहयोग को नई गति मिलती है, तो भारत और ऑस्ट्रेलिया की साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

अमरनाथ यात्रा का संदेश: जीवन का प्रत्येक क्षण शिवमय बन जाए

स्वामी अवधेशानंद गिरि
जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर

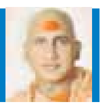

'शुभं करोति कल्याणं, शिवः सर्वत्र संस्थितः।' श्री अमरनाथ धाम केवल एक तीर्थ नहीं अपितु सनातन भारत की तपःपरम्परा, वैराग्य, आत्मशुद्धि और शिवतत्त्व की सजीव अनुभूति का दिव्य केन्द्र है। यहाँ पहुँचने वाला प्रत्येक श्रद्धालु केवल हिमालय की ऊँचाइयों की यात्रा नहीं करता बल्कि अपने ही अंतःकरण की गहराइयों की ओर अग्रसर होता है। ?कभी-कभी प्राकृतिक परिस्थितियों के कारण बाबा बर्फानी का हिमलिंग पूर्ण रूप में दिखाई नहीं देता अथवा अंतर्ध्यान हो जाता है। ऐसे समय अनेक श्रद्धालुओं के मन में विषाद उत्पन्न होना स्वाभाविक है। किन्तु क्या शिव केवल हिमलिंग में ही सीमित हैं? क्या अनन्त, अखण्ड, सर्वव्यापक महादेव किसी एक दृश्य रूप के अभाव से अप्रकट हो जाते हैं?

भगवत्पाद भाष्यकार भगवान् आदि शंकराचार्य के अद्वैत वेदान्त की दृष्टि में परमात्मा नित्य, निराकार, सर्वव्यापक और अखण्ड चैतन्य है। वही परम शिव कभी हिमलिंग के रूप में दर्शन देते हैं तो कभी हिमालय की निःशब्दता में, कभी गुफा की दिव्य शांति में तो कभी श्रद्धालु के निर्मल हृदय में स्वयं प्रकाशित हो जाते हैं।

शिवमहिम्न स्तोत्र में भगवान् शिव की अनन्त महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया है:

असितगिरिसमं स्यात् कज्जलं सिन्धुपात्रे
सुरतरुवरशाखा लेखनी पत्रमुर्वी।
लिखति यदि गृहीत्वा शारदा सर्वकालं
तदपि तव गुणानामीश पारं न याति॥

(यदि नील पर्वत स्याही बन जाए, समुद्र स्याही पात्र बन जाए, कल्पवृक्ष की शाखा लेखनी बन जाए और सम्पूर्ण पृथ्वी कागज़ बन जाए तथा स्वयं सरस्वती अनन्तकाल तक लिखती रहें, तब भी हे महादेव! आपके गुणों का पार नहीं पाया जा सकता।) अतः जो अनन्त है, उसे किसी एक दृश्य रूप तक सीमित नहीं किया जा सकता। हिमलिंग भगवान् की करुणा का एक दिव्य प्रतीक है; परन्तु शिव की सत्ता उससे कहीं अधिक व्यापक, असीम और सनातन है।

अमरनाथ यात्रा: त्याग से आत्मबोध तक की कल्याणकारी यात्रा: लोकश्रुति के अनुसार, माता पार्वती को अमरत्व का परम रहस्य सुनाने से पूर्व भगवान् शिव ने मार्ग में अपनी समस्त लौकिक विभूतियों (प्रतीकों) और आसक्तियों का क्रमशः परित्याग किया-

पहलगाम में नंदी को विराम दिया।

चंदनवाड़ी में मस्तक के चंद्र का त्याग किया।

शेषनाग में नागों का विसर्जन किया।

महागुणस पर्वत पर श्रीगणेश को विराम दिया।

पंचतरणी में पंचमहाभूतों के प्रतीकात्मक अतिक्रमण द्वारा समस्त देहाभिमान का अतिक्रमण किया।

यह केवल पौराणिक कथा ही नहीं बल्कि प्रत्येक साधक की आन्तरिक साधना का दिव्य संकेत है। जब तक अहंकार, ममता, देहाभिमान और आसक्ति का त्याग नहीं होता तब तक अमरकथा का वास्तविक श्रवण सम्भव नहीं। अतः अमरनाथ की यात्रा पैरों से कम और अंतःकरण से अधिक की जाती है। जब श्रद्धालु भगवान् अमरनाथ की उस पावन गुफा में प्रवेश करता है, तब वह केवल एक गुफा के सम्मुख नहीं अपितु उस दिव्य तपोभूमि में उपस्थित होता है जहाँ स्वयं देवाधिदेव भगवान् मृत्युंजय महादेव ने आत्मा, ब्रह्म, जन्म, मृत्यु, पुनर्जन्म, मोक्ष और अमरत्व का परम रहस्य प्रकट किया था।

शिव का वास्तविक पूजनः भगवत्पाद शंकराचार्य विरचित 'शिवमानसपूजा' हमें बताती है कि भगवान् शिव की सर्वोच्च आराधना बाह्य सामग्री से नहीं बल्कि निर्मल अंतःकरण से होती है-

'आत्मा त्वं गिरिजा मतिः सहचराः प्राणाः शरीरं गृहं।
पूजा ते विषयोपभोगरचना निद्रा समाधिस्थितिः॥'

(हे प्रभु! आप ही मेरे आत्मस्वरूप हैं, मेरी बुद्धि ही पार्वती हैं, प्राण आपके गण हैं, यह शरीर आपका मंदिर है; मेरे समस्त

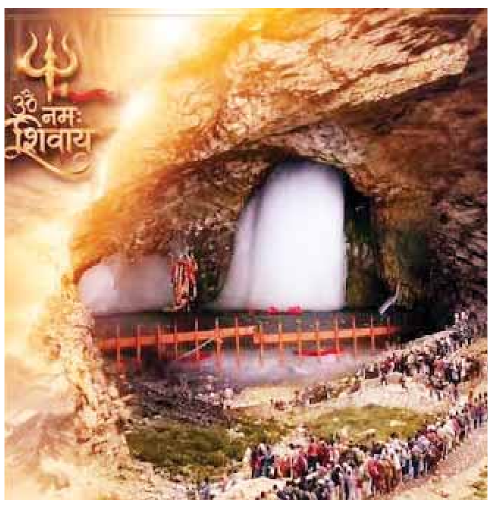

कर्म ही आपकी पूजा हैं) अंत में- 'यद्यत्कर्म करोमि तत्तदखिलं शम्भो तवाराधनम्॥' अर्थात हे शम्भो! मैं जो भी कर्म करता हूँ, वह सब आपकी आराधना ही है।

यही अमरनाथ यात्रा का वास्तविक संदेश है- जीवन का प्रत्येक क्षण शिवमय बन जाए।

हिमलिंग अंतर्ध्यान हो सकता है, शिव नहीं। यदि हिमलिंग पूर्ण रूप में न भी दिखाई दे तो श्रद्धा में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। जिसने उस दिव्यधाम तक पहुँचने का सौभाग्य पाया, जिसने कठिन मार्ग की तपस्या की, जिसने 'हर-हर महादेव' का उद्घोष करते हुए अपने भीतर के अहंकार को पिघलाया, वास्तव में वही शिवकृपा और उनके असीम अनुग्रह का अधिकारी है।

शिव केवल हिमलिंग में नहीं; वे हिमालय की प्रत्येक शिला में हैं, गुफा की प्रत्येक शीतल श्वास में हैं, यात्रियों के प्रत्येक कदम में हैं, प्रत्येक मंत्र में हैं, प्रत्येक अश्रु में हैं, भक्ति के प्रत्येक भाव में हैं और प्रत्येक हृदय में विराजमान हैं। हिमलिंग के दर्शन महादेव का प्रसाद हैं किन्तु अमरनाथ की यात्रा स्वयं महादेव की कृपा का साक्षात् अनुभव है। अतः स्मरण रहे कि हिमलिंग अंतर्धान हो सकता है, शिव कभी नहीं। वे नित्य हैं, शाश्वत हैं, सर्वव्यापक हैं और श्रद्धा से परिपूर्ण प्रत्येक हृदय में सदैव प्रकाशित हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया यात्रा से भारत को मिली नई रणनीतिक ताकत

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

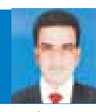

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दो दिवसीय इंडोनेशिया दौरा केवल एक औपचारिक विदेश यात्रा नहीं बल्कि भारत की बदलती वैश्विक भूमिका और बढ़ती रणनीतिक शक्ति का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया है। इस यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब केवल एक बड़ा बाजार नहीं बल्कि रक्षा तकनीक आधुनिक सैन्य उपकरण विश्वसनीय साझेदारी और क्षेत्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। जकार्ता में हुए उच्चस्तरीय वार्ता और समझौतों ने भारत और इंडोनेशिया के संबंधों को नई ऊंचाई दी है। इस दौरान रक्षा सहयोग व्यापार समुद्री सुरक्षा ऊर्जा आपूर्ति महत्वपूर्ण खनिजों तकनीकी सहयोग और सांस्कृतिक रिश्तों को और मजबूत बनाने की दिशा में कई बड़े फैसले हुए। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को इंडोनेशिया पहुंचे और मंगलवार को उनके दौरे का दूसरा दिन रहा। इस दो दिवसीय यात्रा में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और भारत के प्रधानमंत्री को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान केवल नरेंद्र मोदी के लिए नहीं बल्कि भारत के 140 करोड़ नागरिकों और दोनों देशों के बीच दो हजार वर्षों से चले आ रहे ऐतिहासिक संबंधों की स्वीकृति के रूप में देखा जा रहा है। किसी भी देश द्वारा दिया गया सर्वोच्च सम्मान उस देश के साथ विश्वास और सम्मान के रिश्ते का प्रतीक होता है और यह भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण भी है।

इस यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि भारत की सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल का इंडोनेशिया द्वारा खरीदने का निर्णय रहा। इसके साथ ही इंडोनेशिया भारतीय अस्त्र एयर टू एयर मिसाइल भी खरीदेगा जिसने हाल के सैन्य अभियानों में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। भारत के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अब वह केवल हथियार आयात करने वाला देश नहीं बल्कि आधुनिक रक्षा उपकरणों का बड़ा निर्यातक बनकर उभर रहा है। रक्षा निर्यात में लगातार हो रही वृद्धि भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति की सफलता का संकेत है। इससे देश की रक्षा उत्पादन क्षमता मजबूत होगी नई नौकरियों का सृजन होगा अनुसंधान और विकास को गति मिलेगी तथा विदेशी मुद्रा की आमद भी बढ़ेगी। भारत का रक्षा निर्यात पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है और अब देश लगभग अस्सी देशों को विभिन्न प्रकार के रक्षा उपकरण उपलब्ध करा रहा है। फिलीपींस और वियतनाम के बाद इंडोनेशिया का भी भारतीय मिसाइल प्रणाली पर भरोसा जताना इस बात का प्रमाण है कि भारतीय रक्षा तकनीक विश्व स्तर पर स्वीकार की जा रही है। इससे भारत की रक्षा कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिलेगी और भविष्य में अन्य देशों के साथ भी बड़े रक्षा समझौते होने की संभावना बढ़ेगी। इस यात्रा का दूसरा बड़ा लाभ समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में सामने आया। भारत और इंडोनेशिया ने मिलकर साबांग बंदरगाह के विकास पर सहमति जताई है। यह बंदरगाह मलक्का जलडमरूमध्य के निकट स्थित है जहां से दुनिया के बड़े हिस्से का समुद्री व्यापार गुजरता है। भारत के अंडमान निकोबार द्वीप समूह के निकट स्थित यह क्षेत्र सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस सहयोग से हिंद महासागर और हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति और मजबूत होगी। साथ ही समुद्री मार्गों की सुरक्षा व्यापारिक गतिविधियों और नौसैनिक सहयोग को भी नई मजबूती मिलेगी। भारत के लिए इंडोनेशिया केवल एक रणनीतिक साझेदार ही नहीं बल्कि ऊर्जा और औद्योगिक विकास का भी महत्वपूर्ण सहयोगी है। इंडोनेशिया दुनिया में निकल के सबसे बड़े भंडारों में से एक है जो इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक धातु है। दोनों देशों ने महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने और स्टील निकल तथा रेयर अर्थ मैग्नेट के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने पर सहमति जताई है। इससे भारत की इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग बैटरी निर्माण और भविष्य की हरित ऊर्जा परियोजनाओं को बड़ा लाभ मिलेगा। ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और भारत को आवश्यक कच्चे माल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। तकनीकी सहयोग के क्षेत्र में भी यह यात्रा उल्लेखनीय रही। भारत इंडोनेशिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन विकसित करने में सहयोग करेगा। यह भारतीय चुनाव प्रणाली की विश्वसनीयता और तकनीकी क्षमता का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र द्वारा विकसित चुनावी तकनीक पर दूसरे देशों का भरोसा भारत की संस्थागत क्षमता को भी नई पहचान देता है।

भारत और इंडोनेशिया के संबंध केवल रणनीति और व्यापार तक सीमित नहीं हैं बल्कि दोनों देशों को हजारों वर्षों से संस्कृति और सभ्यता भी जोड़ती रही है। भारतीय संस्कृति का प्रभाव आज भी इंडोनेशिया के बाली और जावा जैसे क्षेत्रों में स्पष्ट दिखाई देता है। रामायण और महाभारत पर आधारित सांस्कृतिक परंपराएं वहां आज भी जीवित हैं। प्रधानमंत्री मोदी का प्रम्बानन मंदिर जाना इसी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान है। नौवीं शताब्दी में निर्मित यह विशाल हिंदू मंदिर परिसर विश्व धरोहर के रूप में प्रसिद्ध है और दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों का जीवंत प्रतीक है।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं को लेकर अक्सर चर्चा होती रही है लेकिन समय के साथ इन यात्राओं के परिणाम भी स्पष्ट दिखाई देने लगे हैं। अब भारत वैश्विक मंचों पर अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है। रक्षा निर्यात बढ़ रहा है विदेशी निवेश आकर्षित हो रहा है नई तकनीक और ऊर्जा साझेदारी विकसित हो रही है तथा भारत की रणनीतिक स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। विदेश यात्राओं के माध्यम से भारत अपने मित्र देशों के साथ विश्वास का दायरा बढ़ा रहा है और वैश्विक चुनौतियों का मिलकर सामना करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

इंडोनेशिया की यह दो दिवसीय यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक साबित हुई। रक्षा समझौते समुद्री सुरक्षा ऊर्जा सहयोग महत्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता तकनीकी साझेदारी सांस्कृतिक संबंध और सर्वोच्च नागरिक सम्मान जैसे अनेक आयामों ने इस दौरे को विशेष बना दिया। यह यात्रा केवल दो देशों के बीच संबंध मजबूत करने तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने भारत की वैश्विक भूमिका को भी नई मजबूती प्रदान की। आने वाले वर्षों में इन समझौतों का लाभ भारत की अर्थव्यवस्था राष्ट्रीय सुरक्षा उद्योग रोजगार और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव सभी क्षेत्रों में दिखाई देगा। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह इंडोनेशिया यात्रा भारत की विदेश नीति की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में याद की जाएगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

एंडोमेट्रियोसिस के कारण ओवेरियन कैंसर का खतरा, लक्षण पहचानना जरूरी

एंडोमेट्रियम, यूट्रस की सबसे अंदरूनी परत होती है, लेकिन जब इसी तरह के टिशू यूट्रस के बाहर बढ़ने लगते हैं, तो उसे एंडोमेट्रियोसिस कहा जाता है। एक स्टडी के अनुसार एंडोमेट्रियोसिस एक बीमारी है पर यह कैंसरस नहीं होता है। लेकिन रिसर्च के अनुसार एंडोमेट्रियोसिस की समस्या से परेशान महिलाओं में ओवेरियन कैंसर का खतरा हो सकता है। इसलिए एंडोमेट्रियोसिस की वजह से होने वाली शारीरिक परेशानियों के लक्षणों को समझना चाहिए, जिससे समय रहते इलाज करवाया जा सके।

एंडोमेट्रियोसिस तकरीबन 15 से 44 साल की महिलाओं में यह सामान्य बीमारी है, जिसकी वजह से महिलाओं को यूट्रस में अत्यधिक दर्द हो सकता है। लेकिन एंडोमेट्रियोसिस के कारण ओवेरियन कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। अब सवाल है कि ऐसा क्यों हो सकता है? तो रिसर्च के अनुसार एंडोमेट्रियोसिस की वजह से पेल्विक एरिया में क्रोनिक इंफ्लेमेशन (लंबे समय से सूजन) की समस्या हो सकती है, जिस कारण डीएनए और म्युटेशन पर असर पड़ सकता है। सूजन की वजह से ही एंडोमेट्रियोटिक सेल्स कैंसरस सेल्स में बदल सकते हैं।

एंडोमेट्रियोसिस के लक्षणों में पेल्विक में अत्यधिक दर्द महसूस होना, लोअर बैक में दर्द होना, इंटरकोर्स के दौरान दर्द महसूस होना शामिल हैं। इसके अलावा पीरियड्स के बाद भी ब्लीडिंग होना, ब्लोटिंग, डायरिया या कॉन्स्टिपेशन होना। एंडोमेट्रियोसिस और ओवेरियन कैंसर के लक्षण तकरीबन एक जैसे ही होते हैं। लेकिन एंडोमेट्रियोसिस के लक्षण पीरियड्स के दौरान अत्यधिक परेशान करने वाले होते हैं। जबकि ओवेरियन कैंसर के कारण होने वाली समस्या शुरुआत में कम-ज्यादा और कभी भी हो सकती है और कुछ समय बाद यही समस्या गंभीर हो सकती है। इसलिए लक्षणों को ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इन लक्षणों को इग्नोर करने से बेहतर है कि आप जल्द से जल्द डॉक्टर से कंसल्ट करें।

WHO के अनुसार एंडोमेट्रियोसिस का पता लगाने के लिए पीरियड्स की हिस्ट्री, इस दौरान होने वाले दर्द और ब्लीडिंग को समझा जाता है और अल्ट्रासाउंड की सलाह दी जाती है। इसके साथ ही कुछ जरूरी ब्लड टेस्ट करवाने की भी सलाह दी जाती है। जरूरी नहीं कि हर एंडोमेट्रियोसिस पेशेंट को सर्जरी की ही सलाह दी जाए। इसलिए एंडोमेट्रियोसिस के लक्षण महसूस होने पर डॉक्टर से इस बारे में कंसल्ट करना चाहिए।

निशाना

अक्सर नहीं पहुंचे..!

महेश अग्रवाल

कहीं झुककर नहीं पहुंचे कहीं तनकर नहीं पहुंचे
जहां जाना ज़रूरी था वहां अक्सर नहीं पहुंचे
सुरक्षित इसलिए ही है तुम्हारे कांच घर अब तक
किसी के हाथ में प्रतिरोध के पत्थर नहीं पहुंचे
रहा उत्पात नफ़रत से जुड़े इन चार शब्दों का
वज़ह जो ढाई आखर थे वहां चलकर नहीं पहुंचे
मरी है इसलिए वह प्यास पानी की प्रतीक्षा में
तुम्हारी घोषणाओं के वहां निर्झर नहीं पहुंचे
वही तो पीटते खुशहालियों के ढोल भाषण में
नई दिल्ली से चलकर जो कभी बस्तर नहीं पहुंचे
उन्हें ही मान लेते हैं यहां सबसे अधिक ऊंचा
वहां जो अपने बल पर सीढ़ियां चढ़कर नहीं पहुंचे
कठिन शब्दों की हर कारीगरी भी व्यर्थ- सी लगती
ग़ज़ल की रूह तक ग़र वक्त के तेवर नहीं पहुंचे

टेक्नो अपडेट

कागज के हवाई जहाज का वर्ल्ड रिकॉर्ड खास तकनीक से भरी 59 मीटर की उड़ान

इटली की यूनिवर्सिटी ऑफ पीसा के इंजीनियरिंग के छात्रों ने एक कमाल कर दिखाया है। उन्होंने दुनिया का सबसे बड़ा कागज का हवाई जहाज बनाया। इस हवाई जहाज से 59 मीटर की उड़ान भरकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है। इस अनोखे हवाई जहाज को द्धष्टऋ्र प्रोजेक्ट के तहत मशहूर कंटेंट क्रिएटर जकीडेल के साथ मिलकर तैयार किया गया है। यह कोई आम कागज का जहाज नहीं था, बल्कि इसके साइज को देखकर हर कोई हैरान रह गया। इसके पंख 20.04 मीटर (66 फीट) चौड़े थे और कुल लंबाई 7 मीटर (23 फीट) थी।

25 जून को बोलोग्ना में आयोजित फेयर में अधिकारियों ने इस रिकॉर्ड को प्रमाणित किया। खास तकनीक की मदद से इस विशालकाय कागज के विमान ने हवा में 59 मीटर की दूरी तय की। इसी के साथ छात्रों ने साल 2013 से जर्मनी के ब्रौनशवाइग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया और 13 साल बाद इस वर्ल्ड रिकॉर्ड को वापस इटली के नाम कर दिया। दरअसल क्लास के बीच में मजाक-मजाक में शुरू हुआ यह आइडिया बाद में एक रिसर्च प्रोजेक्ट बन गया। इसे बनाने में कुल 15 छात्रों की टीम ने महीनों तक कड़ी मेहनत की। इस हवाई जहाज को उड़ाने के लिए छात्रों ने पारंपरिक एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग के सिद्धांतों और खास तकनीक का इस्तेमाल किया। इसे बनाने में करीब 300 किलोग्राम कागज और 60 किलोग्राम मजबूत ग्लू (गोंद) का इस्तेमाल हुआ। अंदर के स्ट्रक्चर के लिए भारी कागज और बाहरी हिस्से के लिए हल्का कागज चुना गया। जहाज का वजन ज्यादा न बढ़े और वह मजबूत भी रहे, इसके लिए कागज की परतों को मधुमक्खी के छत्ते जैसी संरचना में जोड़ा गया था। इसके अंदर असली विमानों की तरह स्थिरता बनाए रखने के लिए विंग्स और टेल भी डिजाइन किए गए थे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के नियमों के मुताबिक इस भारी-भरकम कागज के जहाज को किसी मशीन से नहीं, बल्कि केवल एक व्यक्ति द्वारा अधिकतम 3 मीटर ऊंचे प्लेटफॉर्म से हाथ से लॉन्च किया जाना था। साथ ही रिकॉर्ड के लिए इसका कम से कम 15 मीटर उड़ना जरूरी था।

अजब - गजब

भेड़ों को शिकार से बचाने के लिए पहनाई लोहे की पोशाक, जुगाड़ देख हैरान हुए लोग!

ऑस्ट्रिया के एक आविष्कारक ने भेड़ियों के जानलेवा हमलों से भेड़ों की रक्षा करने के लिए तीन साल की मेहनत से एक खास 'चेन मेल' यानी कांटेदार लोहे का सुरक्षा कवच तैयार किया है। अगर शिकारी जानवर अटैक करने की कोशिश भी करेगा, तो ये कवच उसका जबड़ा तोड़ देगा। इस जुगाड़ को देख लोग हैरान हैं।

पूरी दुनिया में भेड़ पालन करने वाले किसान हमेशा जंगली भेड़ियों और खूंखार शिकारियों के आतंक से परेशान रहते हैं। रात के अंधेरे में शिकारी जानवर अक्सर अचानक हमला कर मासूम भेड़ों को अपना निवाला बना लेते हैं। इस नुकसान से बचने के लिए किसान सदियों से या तो ऊंची बाड़ लगाते आए हैं या फिर खूंखार शिकारी कुत्तों का सहारा लेते हैं। लेकिन जरा सोचिए, अगर कोई शख्स मध्यकालीन युग के योद्धाओं की तरह इन बेज़ुबान भेड़ों को ही एक अभेद्य लौह सुरक्षा कवच पहना दे, तो नजारा कैसा होगा! यह सुनने में भले ही काल्पनिक कहानी लगे, लेकिन यूरोपीय देश ऑस्ट्रिया के एक बुजुर्ग किसान और आविष्कारक ने इस अजीब तरकीब को सच में हकीकत बना दिया है। उन्होंने भेड़ियों के दांतों का मुकाबला करने के लिए भेड़ों के लिए एक स्पेशल बॉडी आर्मर तैयार किया है, जिसे देखकर लोग हैरान हैं।

यह अनोखा मामला दक्षिणी ऑस्ट्रिया के फिलाच शहर के रहने वाले रुडोल्फ शौबाक की है। रुडोल्फ पिछले कई सालों से अपने देश और पड़ोसी देश जर्मनी में भेड़ियों के बढ़ते हमलों और उससे मरती भेड़ों की खबरों से बेहद दुखी थे। उन्होंने ठान लिया कि वे इन बेजुबान जानवरों को बचाने के लिए कुछ अलग करेंगे। लगातार 3 साल की कड़ी मेहनत, रिसर्च और कई तरह के डिजाइनों को आजमाने के बाद उन्होंने आखिरकार भेड़ों के लिए एक कामयाब प्रोटोटाइप यानी सुरक्षात्मक पोशाक तैयार कर ली। रुडोल्फ ने ऑस्ट्रिया की ऊंची आल्प्स पहाड़ियों पर बने कई फार्मों में भेड़ों को यह अजीबोगरीब कपड़ा पहनाकर इसका बकायदा टेस्ट भी किया है। रुडोल्फ शौबाक का यह आइडिया बेहद सीधा और सरल था। वे एक ऐसा हल्का और मजबूत कवच बनाना चाहते थे जिसे पहनकर भेड़ें बिना किसी परेशानी के पहाड़ों पर घूम सकें, दौड़ सकें और घास चर सकें, लेकिन भेड़िए चाहकर भी उन्हें काट न पाएं।

न्यूज विंडो

13 जुलाई से शुरू होगा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तीसरा चरण

नर्मदापुरम। जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और पशुपालकों को वैज्ञानिक पशुपालन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तृतीय चरण 13 से 18 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के नेतृत्व में पशुपालन एवं डेयरी विभाग की टीम जिले के 11,595 पशुपालक परिवारों तक पहुंचकर उन्हें आधुनिक पशुपालन की जानकारी देगी। उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. शैलेन्द्र नेमा ने बताया कि अभियान जिले के सभी सात विकासखंड–नर्मदापुरम, बाबई, पिपरिया, बनखेड़ी, सोहागपुर, सिवनी मालवा और केसला में चलाया जाएगा। विभागीय मैदानी अमला घर-घर पहुंचकर पशुपालकों से संवाद करेगा। प्रत्येक सर्वेयर प्रतिदिन 10 परिवारों से संपर्क कर वैज्ञानिक पशुपालन संबंधी जानकारी देगा। अभियान में विशेष रूप से ऐसे पशुपालकों को शामिल किया गया है, जिनके पास 3 से 4 गाय या भैंस हैं। विभागीय अधिकारी पशुपालकों को पशु नस्ल सुधार, संतुलित आहार, हरे चारे का बेहतर प्रबंधन, पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण, मौसमी बीमारियों से बचाव, नियमित टीकाकरण तथा आधुनिक वैज्ञानिक पशुपालन तकनीकों की जानकारी देंगे। अभियान की प्रभावी निगरानी और समन्वय के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसकी नोडल अधिकारी डॉ. प्रियंका देशमुख तथा सहायक टी.एम. पटेल को बनाया गया है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने जिले के सभी पात्र पशुपालकों से अभियान का लाभ उठाने और वैज्ञानिक पशुपालन अपनाकर दुग्ध उत्पादन के साथ आय बढ़ाने की अपील की है।

नपाध्यक्ष और सीएमओ ने जनसुनवाई में समस्याओं का किया निराकरण

नर्मदापुरम। नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगपालिका अधिकारी वैभव देशमुख द्वारा गुरुवार को जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में अनेक समस्याओं का त्वरित कराया गया। साथ ही जांच योग्य समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित शाखा में भेजा गया। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष श्रीमती यादव एवं सीएमओ देशमुख द्वारा आज जनसुनवाई गई। जिसमें जल भराव की समस्या, साफ सफाई तथा पीएम आवास से संबंधित समस्याएं थीं। जिनका समुचित समाधान किया गया। जनसुनवाई के दौरान पार्षदगण बिंदिया मांझी, संतोष उपाध्याय, एल्डरमेन संतोष मीना, भाजपा नेता पूनम मेषकर, उपयंत्री दीक्षा तिवारी, स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी आदि उपस्थित रहे।

शिक्षिका ने मां के जन्मदिन पर स्कूली बच्चों को वितरित किए बैग

गंजबासौदा। प्राथमिक शाला चक्क भाटनी में आज एक सराहनीय और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय की शिक्षिका सरिता दुवे ने मां के जन्मदिन को एक विशेष और सार्थक तरीके से मनाते हुए विद्यालय के छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग वितरित किए। शिक्षिका का मानना है कि जन्मदिन केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि खुशियों को बांटने और समाज के प्रति अपना योगदान देने का अवसर भी है। इसी विचार को चरितार्थ करते हुए, उन्होंने अपनी मां के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए निर्धन और जरूरतमंद बच्चों को शैक्षणिक सामग्री प्रदान करने का निर्णय लिया। बैग पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और शिक्षक साथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर शिक्षिका के इस नेक कार्य की सराहना की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अजय सक्सेना सीएसी उन्होंने शिक्षिका के इस प्रयास की प्रशंसा की और इसे अन्य लोगों के लिए प्रेरणा बताया। महेंद्र सिंह रघुवंशी सीएसी उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को सफल बनाने में शीतल प्रसाद शर्मा, दीपा जैन और दिनेश अहिरवार का विशेष सहयोग रहा। विद्यालय के अन्य समस्त शिक्षक भी इस अवसर पर उपस्थित रहे और उन्होंने आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। विद्यालय परिवार की ओर से शिक्षिका के इस अनूठे जन्मदिन समारोह की जमकर तारीफ की गई। स्थानीय लोगों और पालकों का कहना है कि इस तरह के कार्यों से न केवल बच्चों की मदद होती है, बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश भी जाता है।

किसान संघ ने ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा

डिंडौरी। जिले में भारतीय किसान संघ ने किसानों और ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। इसमें मुख्य रूप से शहपुरा में 132 केवी विद्युत सबस्टेशन का निर्माण जल्द शुरू कराने, बिलगांव जलाशय परियोजना से प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षा देने और किसानों को समय पर बीज उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

बालाघाट में कुएं की जहरीली गैस की चपेट में आने से दो लोगों की मौत

बालाघाट। बालाघाट के किरनापुर थाना क्षेत्र के पिपरटोला गांव में कुएं की जहरीली गैस की चपेट में आने से दो व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार एसडीईआरएफ की टीम ने लगभग 5 घंटे की मशक्कत के बाद दोनों शवों को कुएं से बाहर निकाला।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से हुई घटना, बीच ट्रैक पर रुकी ट्रेन

मंगला एक्सप्रेस की छत पर चढ़ा युवक, करंट लगने से गंभीर घायल

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

इटारसी रेलवे स्टेशन पर गुरुवार शाम बड़ा हादसा टल गया, जब हजरत निजामुद्दीन-एर्नाकुलम मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस की छत पर चढ़ा एक युवक ओवरहेड हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आ गया। तेज करंट लगने से युवक ट्रेन की छत से नीचे गिर पड़ा और गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद ट्रेन को स्टेशन से आगे मुंबई लाइन पर 18 नंबर सिग्नल के पास करीब 20 से 25 मिनट तक रोकना पड़ा। इससे रेल यातायात प्रभावित हुआ और दो अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन भी विलंबित हुआ।

जानकारी के अनुसार मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस निर्धारित समय पर शाम 6.17 बजे इटारसी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर पहुंची थी। निर्धारित ठहराव के बाद ट्रेन शाम 6.38 बजे रवाना हुई। स्टेशन से कुछ दूरी पर खंभा नंबर 746/06 के पास अचानक ट्रेन रोकनी पड़ी। सूचना मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), रेलवे अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे तथा घायल युवक को तत्काल एंबुलेंस से सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार युवक ट्रेन के स्टेशन पर खड़े रहने के दौरान या रवाना होने के समय किसी तरह कोच की छत पर चढ़ गया था। जैसे ही ट्रेन आगे बढ़ी, वह ओवरहेड हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गया। तेज करंट लगते ही वह छत से नीचे गिर पड़ा। हालांकि युवक छत पर कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है।

धनबाद निवासी पत्नी और दो बच्चों के साथ जा रहा था गोवा

घायल युवक की पहचान धनबाद निवासी नेपाल (उम्र की पुष्टि नहीं) के रूप में हुई है। वह अपनी पत्नी नेहा और तीन व एक वर्ष के दो छोटे बच्चों के साथ दिल्ली से गोवा जा रहा था। परिजनों के अनुसार दोपहर से उसकी मानसिक स्थिति सामान्य नहीं थी। इसी दौरान वह ट्रेन की छत पर चढ़ गया और हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया।

पैर की हड्डी टूटी, गंभीर घायल

अस्पताल सूत्रों के अनुसार युवक के पैर की हड्डी टूट गई है। शरीर का बड़ा हिस्सा झुलस जाने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया जा रहा है। चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है।

20 मिनट बाधित रहा रेल संचालन

घटना के कारण मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस करीब 20 से 25 मिनट तक मुंबई लाइन पर खड़ी रही। इसके चलते ट्रेन संख्या 20904 और 12138 को भी इटारसी स्टेशन से देरी से रवाना करना पड़ा। बाद में स्थिति सामान्य होने पर रेलवे ने ट्रेनों का संचालन बहाल किया।

आरपीएफ कर रही जांच

रेलवे सुरक्षा बल और रेलवे प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुटा है। अधिकारियों का कहना है कि युवक ट्रेन की छत तक कैसे पहुंचा और सुरक्षा व्यवस्था में कहीं कोई चूक तो नहीं हुई, इसकी सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

सिवनी में कार में पकड़े गए अवैध गौवंश, प्रकरण दर्ज

सिवनी। दोपहर मेट्रो

कुरई थाना क्षेत्र में देर रात पुलिस ने अवैध गौवंश परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक कार से आठ गौवंश बरामद किए हैं। पुलिस को देखकर चालक वाहन छोड़कर जंगल की ओर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

छिंदवाड़ा में वन्य जीव के हमले से बुजुर्ग की मौत

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

जिले के बिछुआ क्षेत्र के बफर जोन में एक बार फिर वन्यजीव के हमले में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बुजुर्ग मवेशी चराने जंगल की ओर गए थे, तभी वन्यजीव ने उन पर हमला कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

तहसील परिसर में भरा बारिश का पानी आवागमन में लोग हो रहे हैं परेशान

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

स्थानीय तहसील परिसर के गेट के सामने बारिश का पानी भर जाने से रोजाना आने वाले सैकड़ों फरियादियों, किसानों, अधिवक्ताओं और कर्मचारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तहसील गेट के सामने जलभराव होने से लोगों को मजबूरन गंदे पानी से होकर तहसील परिसर में प्रवेश करना पड़ रहा है।

तहसील कार्यालय प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिकों की आवाजाही वाला महत्वपूर्ण शासकीय कार्यालय है, लेकिन परिसर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हर बारिश में यहां जलभराव की स्थिति बन जाती है। इससे बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगजनों को सबसे अधिक दिक्कत उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से यह समस्या बनी हुई है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया। तहसील में आने वाले नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि द्वार के सामने जल निकासी की व्यवस्था कर जलभराव से मुक्त कराया जाए, ताकि तहसील आने वाले लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। बारिश के मौसम में तहसील में हर साल इस तरह स्थिति बनती है। अब देखना होगा कि अधिकारी इस समस्या के स्थायी समाधान कब तक करेंगे।

अति पिछड़ा वर्ग का कोटा भी सुनिश्चित किया जाए: सेन

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव विनोद सेन ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मांग की है कि प्रदेश में OBC आरक्षण को 27% किया जाए और अति पिछड़ा वर्ग के लिए भी अलग से कोटा निर्धारित किया जाए।

विनोद सेन ने आंकड़ों के साथ कहा कि मध्य प्रदेश की OBC सूची में 87 नंबर तक जातियां शामिल हैं। इनमें मुस्लिम समुदाय की 38 जातियां भी हैं। शेख, सैय्यद और पठान को छोड़कर लगभग सभी मुस्लिम जातियां OBC में सूचीबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में OBC आबादी 52% है और मुस्लिम समुदाय 6.6% है। यानी कुल 58.6% आबादी पिछड़े वर्ग से आती है। लेकिन दुर्भाग्य है कि आज इस 58.6% आबादी को सरकारी नौकरियों, शिक्षा और निगम-मंडलों में महज 14% प्रतिनिधित्व मिल रहा है। ये पिछड़ों के साथ खुला अन्याय और उनके अधिकारों का हनन है। सेन ने ओबीसी आरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री से 3 बड़ी मांग की हैं जिसमें उन्होंने कहा कि OBC आरक्षण को 14% से बढ़ाकर सीधे 27% किया जाए, अति पिछड़ा वर्ग का अलग कोटा निर्धारित किया जाए, जिसमें नाई, धोबी, दर्जी, कुम्हार, लोहार जैसी 20 से अधिक जातियों की विशेष भागीदारी सुनिश्चित की जाए। वहीं इसका प्रस्ताव 9 वीं अनुसूची में जोड़ा जाए। सेन ने कहा की ओबीसी वर्ग को लेकर की गई हमारी मांगों को विधानसभा के मानसून सत्र में पास कराकर केंद्र सरकार को भेजा जाए, ताकि न्यायालय में ये कानून सुरक्षित रह सके। सेन ने कहा बिहार ने 18% अलग आरक्षण देकर अति पिछड़ा वर्ग का भला किया है।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

750 किलो महुआ लाहन व 53 लीटर कच्ची शराब जब्त

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नागद्वारी मेले से पहले अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग ने पचमढ़ी क्षेत्र में विशेष अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। अभियान के दौरान 750 किलोग्राम महुआ लाहन और 53 लीटर हाथभट्टी (कच्ची) शराब जब्त की गई। इस मामले में 8 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में यह अभियान वृत पिपरिया के अंतर्गत संचालित किया गया। कार्रवाई के दौरान बड़ा महादेव, डीपी प्वाइंट, मटकुली, देनवा नदी किनारा, सिंगनामा और पगारा क्षेत्रों में आकस्मिक दबिश दी गई। आबकारी विभाग के अनुसार जब्त की गई महुआ लाहन और अवैध शराब की कुल अनुमानित कीमत 80,300 रुपये है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि नागद्वारी मेले के दौरान अवैध शराब के निर्माण, परिवहन, संग्रहण और बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

अभियान जारी: ग्रामीणों में दहशत का माहौल

हाथियों को देखकर पहाड़ियों की चट्टानों के पीछे छिप जाता है बाघ टी-56

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) का बाघ टी-56 वन विभाग और एसटीआर की टीम के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। दो बार ट्रैंकुलाइज कर कोर एरिया में छोड़े जाने के बावजूद यह बाघ फिर जंगल से बाहर निकलकर तवानगर, केसला और मोरपानी क्षेत्र के आसपास घूम रहा है। बाघ की लगातार मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है, जबकि वन विभाग लगातार उसे रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने के प्रयास में जुटा है।

जानकारी के अनुसार, एसटीआर के दो बाघ अपनी नई टेरेटरी बनाने की तलाश में कोर एरिया छोड़कर बाहरी वन क्षेत्र में आ गए हैं। इनमें टी-56 का मूवमेंट सबसे अधिक तवानगर, केसला, मोरपानी और तवा बांध के आसपास दर्ज किया जा रहा है। टीम पिछले तीन दिनों से लगातार अभियान चला रही है, लेकिन बाघ पकड़ में नहीं आ रहा। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक टी-56 इतना सतर्क हो गया है कि जैसे ही उसे रेस्क्यू अभियान में शामिल हाथी दिखाई देते हैं, वह पहाड़ी इलाकों और घनी झाड़ियों में जाकर चट्टानों के पीछे छिप जाता है। हाथियों की गतिविधियों से परिचित हो चुके इस बाघ की वजह से रेस्क्यू अभियान लगातार चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। वन विभाग ने बाघ को क्षेत्र से हटाने के लिए शासन से अनुमति मांगी थी। स्वीकृति मिलने के बाद एसटीआर और वन विभाग की संयुक्त टीम उसे रेस्क्यू करने में जुटी है। हालांकि अब तक सफलता नहीं मिल सकी है। डीएफओ गौरव शर्मा ने बताया कि बाघ टी-56 को शिफ्ट किया जाना है। वह लगातार अपना स्थान बदल रहा है और छिप जाता है, लेकिन टीम लगातार उसकी निगरानी कर रही है। जल्द ही उसे सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया जाएगा। टाइगर रिजर्व की फील्ड डायरेक्टर राखी नंदन ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से एक बाघ का मूवमेंट तवानगर और आसपास के क्षेत्रों में बना हुआ है। उसे दो बार रेस्क्यू कर कोर एरिया में छोड़ा जा चुका है, लेकिन वह फिर बाहर लौट आया। बाघ अब हाथियों की मौजूदगी को पहचानने लगा है और उन्हें देखते ही वन क्षेत्र की झाड़ियों व पहाड़ियों में छिप जाता है। उसे पकड़ने के लिए विभिन्न स्थानों पर पिंजरे भी लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू अभियान के साथ-साथ ग्रामीणों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। बाघ के गांवों के समीप आने की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंचकर मुनादी कराती है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह देती है। वन विभाग की टीम लगातार मॉनीटरिंग कर रही है ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि या पशुहानि की घटना न हो।

मेट्रो एंकर 350 से अधिक श्रद्धालु अंडमान एक्सप्रेस से कटरा के लिए हुए रवाना, दुर्गा मंदिर से निकली शोभायात्रा

मां वैष्णो देवी दरबार के लिए 51वें वर्ष रवाना हुआ विशाल जत्था

नर्मदापुरम/इटारसी। दोपहर मेट्रो

नगर की वर्षों पुरानी धार्मिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज सुबह मां वैष्णो देवी दरबार के दर्शन के लिए 350 से अधिक श्रद्धालुओं का विशाल जत्था अंडमान एक्सप्रेस से कटरा के लिए रवाना हुआ। इस वर्ष यात्रा का आयोजन 51वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। श्रद्धालुओं में गहरा उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला। रेलवे स्टेशन परिसर माता के जयकारों से गूंज उठा।

यात्रा का शुभारंभ प्रातः करीब 6 बजे मुख्य बाजार स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर (गल्ला मंडी) में विधि-विधान से माता की पूजा-अर्चना एवं महाआरती के साथ हुआ। इसके बाद माता रानी के चित्र को सुसज्जित कर बाजे-गाजे और जयकारों के बीच भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई रेलवे स्टेशन पहुंची। प्लेटफॉर्म क्रमांक-3 पर सुबह 7:20 बजे अंडमान एक्सप्रेस के आगमन के साथ श्रद्धालुओं का जत्था कटरा के लिए रवाना हुआ। अधिकांश श्रद्धालु अपने परिवार के साथ इस पावन यात्रा में शामिल हुए जत्था प्रभारी सतीश बत्रा ने बताया कि अंडमान एक्सप्रेस 11 जुलाई को कटरा पहुंचेगी। वहां समिति की ओर से श्रद्धालुओं के स्वागत के साथ माता का जागरण एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। सतीश बत्रा ने बताया कि नगर से मां वैष्णो देवी की यात्रा की परंपरा पिछले लगभग 30 वर्षों से परिवारों के साथ निरंतर निभाई जा रही है। इस बार भी बड़ी संख्या में बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर पूरे नगर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं के परिजनों एवं नागरिकों ने स्टेशन पहुंचकर पुष्पवर्षा, जयकारों और मंगलकामनाओं के साथ यात्रियों को विदा किया।

न्यूज विंडो

किसान कल्याण वर्ष-2026 के तहत किसानों को उड़द मिनीकिट का वितरण

तेंदूखेड़ा। किसान कल्याण वर्ष-2026 के अंतर्गत किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा संचालित दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत विकासखंड तेंदूखेड़ा की ग्रामीण विकास समिति द्वारा ग्राम पंचायत बगदरी एवं डुकरसत्ता में किसानों को उन्नत किस्म के 4 किलोग्राम उड़द मिनीकिट बीज का निशुल्क वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराकर दलहन उत्पादन में वृद्धि करना तथा प्रदेश को दलहन उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाना है। निशुल्क मिनीकिट वितरण कार्यक्रम का आयोजन कृषि विस्तार अधिकारी मिथुन ठाकुर के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में मानव जीवन विकास समिति के धन सिंह लोधी एवं एनजीओ प्रदान के अक्षय जायसवाल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर शासन की इस महत्त्वपूर्ण योजना का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर कृषि विस्तार अधिकारी मिथुन ठाकुर ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि किसान कल्याण वर्ष-2026 के अंतर्गत विभाग द्वारा किसानों की आय में वृद्धि, दलहन उत्पादन को प्रोत्साहित करने तथा कृषि को अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

तेज रफ्तार ट्रक ने दो कारों को पीछे से मारी टक्कर, दो मवेशी चोटिल

तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत पाटन तेंदूखेड़ा मार्ग पर स्थित नरगुवा ग्राम के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने दो कारों को पीछे से टक्कर मार दी, इससे दो मवेशियों को भी चपेट में आ गए और दोनों कारों के परखच्चे उड़ गए हैं। साथ ही दो मवेशी भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे के बाद लोगों ने ट्रक चालक और ट्रक को पकड़ लिया है और घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार ट्रक रायपुर से जयपुर जा रहा था, लेकिन जैसे ही ट्रक नरगुवा की घाट पहुंचा तो आगे चल रही दो अल्टो कारों में पीछे से टक्कर मार दी, साथ ही दो मवेशियों को भी टक्कर मारते हुए भाग रहा था लेकिन घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर ट्रक रुक गया, जहां ट्रक चालक भागने का प्रयास कर रहा था लेकिन लोगों ने पकड़ लिया। इस हादसे में दोनों कार के परखच्चे उड़ गए हैं। साथ ही दोनों कार में सवार सभी सुरक्षित है। कार जबलपुर शहपुरा के फुलर निवासी लोग बांदकपुर भोलेनाथ के दर्शन करने जा रहे थे तभी दूसरी कार जो जबलपुर से तेंदूखेड़ा आ रही थी इन दोनों कार में सवार लोगों को मामूली चोटें आई है। दो मवेशी बुरी तरह से घायल हो गए हैं। हादसे का मुख्य कारण ट्रक चालक ने बताया कि ट्रक के ब्रेक फेल होना सामने आया है, इससे ट्रक घाट की उतार पर कंट्रोल नहीं हुआ और अचानक ट्रक की चपेट में दो कारों सहित दो मवेशी आ गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पहुंची और ट्रक चालक को पूछताछ करने के लिए अपने साथ थाने ले गई साथ ही कार में सवार कुछ लोगों को भी पुलिस द्वारा पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

कर्मचारी संघ ने कहा-यह निगमायुक्त की दमनकारी कार्रवाई

कार्य में लापरवाही पर कर्मचारी निलंबित, 4 को किया प्रभार मुक्त

सागर। दोपहर मेट्रो

कार्य में लापरवाही एवं प्रशासनिक दायित्वों के निर्वहन में शिथिलता पाए जाने पर नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए स्थायी कर्मी राजेंद्र मलैया को निलंबित करने तथा चार कर्मचारियों राजेश सिंह राजपूत, आनंद मंगल गुरु, शईदउद्दीन कुरैशी एवं हरेन्द्र खटीक को उनके प्रभारों से मुक्त करने के आदेश जारी किए हैं। निगमायुक्त की इस कार्रवाई को प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इधर नगर निगम कर्मचारी संघ ने आरोप लगाया कि उक्त कार्रवाई दमनकारी है।

निगम प्रशासन द्वारा जारी आदेशों के अनुसार वाहन प्रभारी हरेंद्र खटीक के स्थान पर कार्यपालन यंत्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। उपयंत्री आयुष शुक्ला एवं कृष्ण कुमार को सहायक प्रभारी अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। साथ ही कृष्ण कुमार चैरसिया को मजदूरी शाखा का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

स्वास्थ्य विभाग में राजेश सिंह राजपूत के स्थान पर सहायक आयुक्त तबस्सुम खान को प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी तथा शशांक रावत को सहायक प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। आनंद मंगल गुरु से बाजार शाखा सहित सभी प्रभार वापस लेते हुए उक्त दायित्व प्रभारी राजस्व अधिकारी बृजेश तिवारी को सौंपे गए हैं। इसके अतिरिक्त सहायक आयुक्त तबस्सुम खान को जीपीएफ, पेंशन, लोक सूचना अधिकारी एवं एनपीएस शाखा का प्रभार भी दिया गया है। फायर शाखा में शईद उद्दीन कुरैशी के स्थान पर कार्यपालन यंत्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि कृष्ण कुमार चैरसिया एवं आयुष शुक्ला को सहायक फायर अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है।

निगमायुक्त ने स्वास्थ्य स्थापना शाखा में पदस्थ राजेंद्र सनकत का स्थानांतरण करते हुए उन्हें पंतनगर जोन क्रमांक-8 में सफाई कार्य हेतु पदस्थ किया है। इसके अलावा निगम आयुक्त ने सहायक स्वच्छता अधिकारी आनंद मंगल गुरु को कर्मचारी संघों की मांगों के निराकरण से संबंधित मामलों में अपेक्षित कार्रवाई न करने के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

नगर निगम की कार्रवाई को नगर निगम-नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव एवं सागर संभाग प्रभारी राजेशसिंह राजपूत, संयुक्त कर्मचारी कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष हरेन्द्र खटीक तथा जिलाध्यक्ष सईदउद्दीन कुरैशी ने संयुक्त रूप से बताया कि कर्मचारी संगठनों द्वारा 13 सूत्रीय मांगों के संबंध में महापौर, निगमाध्यक्ष एवं निगमायुक्त को पूर्व में ज्ञापन सौंपा गया था। कामबंद हड़ताल में शामिल होने वाले कर्मचारियों के विरूध्द निगमायुक्त द्वारा द्वेश पूर्ण एवं दमनात्मक कार्यवाही प्रारंभ की है। जिसके तहत् एक कर्मचारी राजेन्द्र मलैया स्थायीकर्मी को निलंबित कर दिया गया है तथा 4 कर्मचारियों से प्रभार वापिस ले लिये है। प्रांतीय सचिव राजपूत ने कहा कि कर्मचारियों की जायज मांगों के निराकरण के लिए पिछले 1 वर्ष से लगातार मांग की जा रही है लेकिन निगम प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई जिस कारण मजबूरन कर्मचारियों को आंदोलन करने के लिये मजबूर होना पड़ा।

भेदभाव के लगाए आरोप

फायर सेफ्टी जांच के बाद बढ़ा विवाद, कार्रवाई के दौरान हुआ हंगामा

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

उज्जैन के महाकाल मंदिर क्षेत्र में हाल के दिनों में हुई आगजनी की घटनाओं के बाद नगर निगम की फायर सेफ्टी जांच अब बड़े विवाद का रूप ले चुकी है। जयसिंहपुरा स्थित मां पीताम्बरा होटल रेजिडेंसी में जांच के दौरान अधिकारी से कथित मारपीट के बाद नगर निगम की टीम जेसीबी, पोकलेन मशीन और भारी पुलिस बल के साथ कार्रवाई के लिए पहुंची। हालांकि, मौके पर मौजूद महिलाओं के विरोध के चलते होटल को तोड़ने की कार्रवाई नहीं हो सकी और निगम ने होटल को सील कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम के बीच होटल संचालक के परिवार ने आदिवासी होने के कारण प्रताड़ित किए जाने के आरोप लगाए हैं। प्रभारी फायर अधिकारी लक्ष्मण प्रसाद साहू के साथ कथित मारपीट की घटना के बाद नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों में नाराजगी थी। इसी के विरोध में गुरुवार को निगम का अमला हाथों पर काली पट्टी बांधकर कार्रवाई के लिए होटल पहुंचा। प्रशासन जेसीबी और पोकलेन मशीनों के साथ होटल के कथित अवैध हिस्से को तोड़ने की तैयारी में था, लेकिन मौके पर मौजूद आदिवासी महिलाओं के विरोध के कारण कार्रवाई रोकनी पड़ी। काफी देर तक चले हंगामे के बाद नगर निगम की टीम ने होटल को सील किया और वापस लौट गई।

जबलपुर रेलवे अंडर ब्रिज के नीचे चलती कर में लगी आग

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जबलपुर के मदन महल रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेलवे अंडरब्रिज के नीचे चलती कार में अचानक आग लग गई। आग लगते ही चालक ने कार से बाहर कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

टाइगर रिजर्व में घायल बाघिन को उपचार के लिए भेजा जबलपुर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के मोहली परिक्षेत्र में गत 5 जुलाई 2026 को एक श्रमिक पर बाघ द्वारा किए गए हमले के बाद वन विभाग द्वारा घटना की गंभीरता से सतत निगरानी एवं सघन खोज अभियान चलाया जा रहा था। श्रमिक तथा घटना के समय उनके साथ गश्त पर मौजूद महिला वनरक्षक द्वारा दिए गए विवरण के अनुसार हमलावर बाघ के पंजों का आकार अपेक्षाकृत छोटा था, जिससे उसके कम आयु का होने की संभावना व्यक्त की गई थी।

घटना क्षेत्र में लगातार की गई सर्चिंग के दौरान 7 जुलाई को लगभग 15 से 18 माह आयु की एक बाघिन दिखाई दी प्रारंभिक आकलन के आधार पर अनुमान लगाया गया कि संभवतः यही बाघिन श्रमिक पर हुए हमले में शामिल रही होगी। इसके बाद हाथियों की सहायता से लगातार गश्त कर बाघिन के व्यवहार का सूक्ष्म अवलोकन किया गया। 8 जुलाई 2026 को हाथियों के महावतों तथा बाद में स्थानीय वन अधिकारियों के निरीक्षण में यह प्रतीत हुआ कि बाघिन पिछले कुछ दिनों से पर्याप्त भोजन नहीं कर पाई थी। साथ ही उसके पिछले पैरों में चोट अथवा अन्य शारीरिक समस्या होने की आशंका भी सामने आई, जिसके कारण उसकी चाल सामान्य नहीं थी। इस संबंध में तत्काल मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक को अवगत कराया गया। मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक के निर्देश पर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के वन्यजीव विशेषज्ञ एवं पशु चिकित्सक डॉ. गुरुदत्त शर्मा तथा सेंटर फॉर वाइल्डलाइफ हेल्थ एंड फॉरेंसिक, जबलपुर की विशेषज्ञ टीम को वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व पहुंचकर बाघिन का परीक्षण करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रातः 6 बजे से हाथियों की सहायता से पुनः सर्चिंग अभियान प्रारंभ किया गया। बाघिन के चिह्नित होने के बाद विशेषज्ञ दल ने सुरक्षित प्रक्रिया के तहत उसे निश्चेतक कर चिकित्सकीय परीक्षण किया। प्रारंभिक परीक्षण में पाया गया कि बाघिन का पेट लगभग खाली था तथा उसके पैरों में सूजन थी, जिससे उसके घायल होने की पुष्टि हुई। विशेषज्ञों की सलाह पर बाघिन को विस्तृत चिकित्सकीय परीक्षण, निदान एवं समुचित उपचार के लिए सेंटर फॉर वाइल्डलाइफ हेल्थ एंड फॉरेंसिक, जबलपुर भेज दिया गया है। वन विभाग द्वारा उसकी स्वास्थ्य स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जाएगी तथा उपचार के उपरांत विशेषज्ञों की अनुशंसा के अनुसार आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

30 हजार लेते पटवारी संदीप यादव रंगे हाथों गिरफ्तार

जमीन के नामांतरण के नाम पर मांगी थी रिश्वत

विदिशा। दोपहर मेट्रो

सरकारी काम के नाम पर रिश्वत मांगने वालों पर लोकायुक्त का शिकंजा लगातार कस रहा है। विदिशा जिले की शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र की नटेरन तहसील में गुरुवार को लोकायुक्त भोपाल की टीम ने पटवारी को 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी पटवारी संदीप यादव पारिवारिक जमीन के बंटवारे और नामांतरण के बदले पैसे मांग रहा था।

मामला नटेरन तहसील के एक गांव से जुड़ा है। शिकायतकर्ता प्रमेन्द्र धाकड़ का आरोप है कि उनकी पारिवारिक भूमि का बंटवारा, नामांतरण और फौती प्रकरण तहसील में लंबित था। इस काम को निपटाने के एवज में हल्का पटवारी संदीप यादव उनसे लगातार रुपये की मांग कर रहा था। बार-बार टालमटोल और दबाव से परेशान होकर प्रमेन्द्र ने सीधे लोकायुक्त भोपाल से संपर्क किया और लिखित शिकायत सौंपी। शिकायत में उन्होंने पूरे घटनाक्रम और मांगी गई रकम का ब्यौरा दिया। शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त की टीम ने पहले गोपनीय सत्यापन कराया। प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए गए। इसके बाद टीम ने ट्रैप की योजना बनाई।

9 जुलाई को लोकायुक्त भोपाल की विशेष टीम नटेरन पहुंची। टीम ने शिकायतकर्ता को पहले से चिह्नित रकम देकर आरोपी के पास भेजा। तय योजना के अनुसार पटवारी संदीप यादव ने रुपये लेने के लिए तहसील कार्यालय के पीछे स्थित अपने निजी कार्यालय में बुलाया था। जैसे ही पटवारी ने शिकायतकर्ता से 30 हजार रुपये लिए और जेब में रखे, पहले से घात लगाए बैठी लोकायुक्त टीम ने दरवाजा खोलकर उसे दबोच लिया। टीम ने मौके से रिश्वत की रकम बरामद की और पंचनामा बनाकर आरोपी को हिरासत में ले लिया। कार्रवाई के दौरान तहसील परिसर में हड़कंप मच गया। कर्मचारियों और आम लोगों की भीड़ जमा हो गई।

लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी पटवारी संदीप यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है कि क्या इस तरह की और शिकायतें उसके खिलाफ हैं और रकम का लेन-देन कैसे होता था। लोकायुक्त अधिकारियों का कहना है कि आगे की जांच में यदि अन्य कर्मचारी या बिचौलिए शामिल मिलते हैं तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल आरोपी पटवारी को कोर्ट में पेश कर आगे की वैधानिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी। लोकायुक्त टीम का कहना है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम किया जा रहा है, ताकि आम आदमी को बिना रिश्वत के उसका हक मिल सके।

लगातार छह दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश से खेती प्रभावित, किसान कर रहे नमी का इंतजार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में पिछले छह दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश का असर खरीफ सीजन की खेती पर साफ दिख रहा है। जहां कुछ किसान धान की तैयार नर्सरी से पौध उखाड़कर अपने खेतों में रोपा लगाने में जुटे हैं, वहीं बड़ी संख्या में किसान अभी भी खेतों में उचित बतर (नमी) बनने का इंतजार कर रहे हैं। लगातार वर्षा के कारण खेतों की स्थिति ऐसी बनी हुई है कि कई स्थानों पर बुवाई का कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है, जिससे किसान चिंतित हैं। किसानों ने बताया कि धान की खेती के लिए उन्होंने पहले ही नर्सरी तैयार कर बीज बो दिए थे, जिनसे अब पौधे तैयार हो चुके हैं। वर्तमान में जिन किसानों के खेत रोपाई के लिए तैयार हैं, वे धान का रोपा लगाने में लगे हुए हैं। किसानों का कहना है कि यदि यही बारिश लगभग दस दिन पहले हो जाती तो अधिकांश खेतों में समय पर बुवाई और रोपाई का कार्य पूरा हो जाता। अब लगातार हो रही वर्षा के कारण खेतों में कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। क्षेत्र में अधिकांश किसान आधुनिक कृषि यंत्रों और ट्रैक्टरों के माध्यम से खेतों की जुताई एवं बुवाई करते हैं, लेकिन आज भी कई ग्रामीण इलाकों में पारंपरिक खेती की परंपरा जीवित है। कई किसान हल-बैल की सहायता से खेत तैयार कर खेती करते हैं। ऐसे किसानों के लिए भी मौसम की अनुकूलता बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि अधिक वर्षा या अत्यधिक कीचड़ होने पर बैलों से खेत जोतना भी संभव नहीं हो पाता। किसान रूपेश घोषी ने बताया कि लगातार बारिश के कारण खेतों को आवश्यक बतर नहीं मिल पा रही है। अधिक पानी भर जाने से खेतों में जुताई एवं अन्य कृषि कार्य बाधित हो रहे हैं, जिससे फसलों की बुवाई में देरी हो रही है। उनका कहना है कि वर्षा रुकने के बाद खेतों की स्थिति सामान्य होगी, तब किसान तेजी से बुवाई का कार्य शुरू कर सकेंगे।

आईटीआई कॉलेज वापसी की मांग तेज

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जबेरा विधानसभा के तेंदूखेड़ा में इस समय आईटीआई कॉलेज का मुद्दा गरमाया हुआ है। युवाओं की मांग है कि आईटीआई कॉलेज वापस की जाए जिसके लिए युवा कल 11 जुलाई को राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी को नोहटा ज्ञापन सौंपने जा रहे हैं। उसी उपलक्ष्य में आज प्रेसवार्ता कर युवाओं ने सरकार पर कई गंभीर आरोप भी लगाए। कवि चन्द्रभान सिंह लोधी ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह आईटीआई कॉलेज 1996 से तेंदूखेड़ा में संचालित हो रही थी लेकिन अचानक से 2024 में बंद कर दी गई। सरकार ने परम फाउंडेशन नामक संस्था से डील करके यह कॉलेज बंद की और जो इसकी नवीन बिल्डिंग ग्राम बम्होरी में 13 करोड़ की लागत से बनी है वो परम फाउंडेशन को प्राइवेट कॉलेज खोलने हेतु हैंडओवर कर दी। जबकि एक साल हो गए परम फाउंडेशन ने अभी तक कोई भी कॉलेज नहीं खोली है जो छात्रों के साथ शासन प्रशासन ने छलावा किया है। उन्होंने आगे कहा कि यदि सरकार ने इसी सत्र में कॉलेज वहीं स्थापित नहीं की तो हम लोग विशाल धरना प्रदर्शन करेंगे और कानूनी लड़ाई भी लड़ेंगे। प्रेसवार्ता में बैठे राजा खान ने बताया कि जबेरा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने तेंदूखेड़ा की जनता के साथ धोखा किया है। यहां से नोहटा कॉलेज शिफ्ट करना दर्शाता है कि उनकी मानसिकता यहां के लोगों के प्रति सही नहीं है। नीलेश सिंह लोधी ने कहा कि यह कॉलेज तेंदूखेड़ा के लोगों का भविष्य थी, यह बंद होना दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय है।

मेट्रो एंकर

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने किया औचक निरीक्षण

कार्य में लापरवाही पर बाबू को किया निलंबित

सागर। दोपहर मेट्रो

प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति और समयबद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रतिभा पाल ने नकल शाखा एवं अभिलेखागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यों में लापरवाही और पेंडेंसी पाए जाने पर कलेक्टर ने सहायक ग्रेड-3 सुधीर शर्मा को को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक से बाहर हो चुके मामलों की गहन समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन भी स्तरों पर मामलों को बेवजह लंबित रखा गया है, उनकी सूची तैयार कर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। कार्यप्रणाली को पूरी तरह व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए कलेक्टर ने एक बड़ा प्रशासनिक सुधार लागू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी प्रकार के रिकॉर्ड के रख-रखाव, प्राप्ति और निराकरण के लिए एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर तैयार की जाए। इसके साथ ही, कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने के लिए भी व्यवस्था की जाए, ताकि यह स्पष्ट रहे कि कौन सा काम किस समय-सीमा के भीतर पूरा होना है।

मॉनिटरिंग और उपस्थिति अनिवार्य

नकल शाखा और लोकसेवा केंद्र के समन्वय को सुधारने के लिए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि लोकसेवा का ऑपरेटर अथवा रनर प्रतिदिन अनिवार्य रूप से शाखा में उपस्थित होगा। वह न केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा, बल्कि रोजाना लंबित प्रकरणों का पूरा विवरण भी रजिस्टर में दर्ज करेगा। अभिलेखागार के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर पाल ने कहा कि नकल शाखा, लोक सेवा और अभिलेखागार में प्राप्त होने वाले आवेदनों का निपटारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही होना चाहिए। इस दौरान एडीएम अविनाश रावत, सिटी मजिस्ट्रेट गगन बिसेन, एसडीएम अमन मिश्रा सहित एअन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

सं.-बीपीएल/एलसी/टी/663 आर

दिनांक 07.07.2026

उप मुख्य विद्युत अभियंता (कार्य) प.म.रे., निर्माण कार्यालय भवन, डी.आर.एम. ऑफिस के पास रानीकमलापति, भोपाल-462024 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदायें प्रतिष्ठित ठेकेदारों से, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से आमंत्रित की जाती है। **निविदा क्रमांक**-बीपीएल/ एलसी/ टी/ 663आर, **कार्य का विवरण**-अनइलेक्ट्रिफाइड साइडिंग के विद्युतीकरण कार्य के अंतर्गत आरकेएमपी, भोपाल एवं गुना यार्ड में इनफ्रिजिंग एलटी ओवरहेड लाइन के स्थान पर एलटी केबल से बदलना एवं लाईटिंग व्यवस्था में संशोधन कार्य हेतु। **कार्य पूर्ण करने की अवधि**-03 माह, **अनुमानित कीमत** रू.-27,80,653.50/-, **बयाना राशि** रू.-55,600/-, **टेंडर फार्म की कीमत** रू.-निल, **टेंडर बंद होने का दिनांक**-30.07.2026 (15.00 बजे), ई-निविदा की पूर्ण जानकारी IREPS की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर एवं इस कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है ई-बिड के अलावा कोई भी निविदा मान्य नहीं होगी। इस प्रकाशन में शुध्दिपत्र/ संशोधन यदि हो तो केवल उपरोक्त वेबसाइट पर दिखाई देगा और इसे कहीं और प्रकाशित नहीं किया जायेगा। (हस्ता.)

उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण) भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

तिलक वर्मा पर लटकी तलवार

पाकिस्तान में जो कप्तानों के साथ हो रहा, भारत में उपकप्तानों का वही हाल

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट में 2023 से कपड़ों की तरफ कप्तान बदल रहे हैं। पीसीबी ने वनडे और टी20 इंटरनेशनल के कप्तान कई बार बदल दिए। वहीं 2023 में बाबर आजम की जगह शान मसूद टेस्ट के कप्तान बने थे। उन्हें हटाकर एक बार फिर बाबर को कप्तान बना दिया है। भारतीय क्रिकेट टीम में वहीं हाल उपकप्तान का है। टी20 और टेस्ट क्रिकेट में बार-बार उपकप्तान बदले जा रहे हैं।

टी20 उपकप्तान बार-बार बदल रहे

पिछले साल की शुरुआत में अक्षर पटेल को भारतीय टी20 टीम का उपकप्तान बनाया गया था। एशिया कप से पहले अक्षर को हटाकर शुभमन गिल को उपकप्तान की जिम्मेदारी मिली। टी20 विश्व कप से पहले गिल को ड्रॉप कर दिया गया और अक्षर फिर से उपकप्तान बन गए। भारत ने खिताब जीता और अक्षर ने इसमें अहम भूमिका निभाई। विश्व कप के बाद अक्षर टीम का हिस्सा हैं लेकिन उनकी जगह तिलक वर्मा को उपकप्तान मिल गई।

तिलक वर्मा का फॉर्म लंबे समय से खराब

तिलक वर्मा का टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में फॉर्म लंबे समय से खराब है। तिलक का फेवरेट बैटिंग पोजिशन उनके हाथ से निकल चुका है। तीसरे और चौथे नंबर पर 34 पारियों में उनके 1039 रन हैं। वह तिलक नंबर-5 पर खेल रहे हैं। यहां 9 पारियों में सिर्फ 224 रन हैं। वह फिनिशर की भूमिका में फिट नहीं बैठ रहे। टॉप-4 में कोई भी पोजिशन खाली नहीं है। ऐसे में तिलक के लिए टीम में जगह बनाए रखना मुश्किल दिख रहा है। स्पिन के खिलाफ भी उनकी कमजोरी दुनिया के सामने आ चुकी है। उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर करने की मांग उठ रही है। 2026 में तिलक वर्मा ने भारत के लिए 14 मैचों में सिर्फ 321 रन बनाए हैं। उनका औसत 29 और स्ट्राइक रेट 136 का है। इसमें सिर्फ एक फिफ्टी शामिल है। टी20 विश्व कप के शुरुआती मैचों में नंबर-3 पर फेल होने के बाद उनका डिमोशन करके नंबर-5 और नंबर-6 पर उतारा जाने लगा था।

टेस्ट में भी उपकप्तान बदल रहे

पिछले साल की शुरुआत तक जसप्रीत बुमराह टेस्ट में भारत के उपकप्तान थे। इंग्लैंड दौरे पर शुभमन गिल को कप्तानी मिली तो ऋषभ पंत टेस्ट के उपकप्तान बनाए गए थे। पंत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कप्तानी भी की। लेकिन उन्हें उपकप्तान के पद से हटा दिया गया है। अफगानिस्तान के खिलाफ हुई सीरीज में केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया।

आईसीसी और इंग्लिश बोर्ड से भिड़ गए बेन स्टोक्स

रिटायरमेंट वीडियो विवाद पर दो शब्दों में दिया तीखा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

बेन स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के ऐलान को लेकर शुरू हुआ विवाद अब और गहरा गया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान जारी किए गए एक वीडियो पर सवाल उठने के बाद आईसीसी) ने ईसीबी) से स्पष्टीकरण मांगा है। इस बीच स्टोक्स ने भी पूरे मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सोशल मीडिया पर दो शब्दों की प्रतिक्रिया देकर चर्चा को और तेज कर दिया है।

सोशल मीडिया पर स्टोक्स ने केवल दो शब्द लिखे–Sack him (उसे बर्खास्त करो)। उनकी इस संक्षिप्त प्रतिक्रिया को कई लोग आईसीसी और ईसीबी के बीच चल रहे विवाद पर तंज के तौर पर देख रहे हैं। हालांकि स्टोक्स ने यह स्पष्ट नहीं किया कि उनका इशारा किसकी ओर था, लेकिन उनके इस पोस्ट के बाद पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया।

वीडियो जारी होने से खड़ा हुआ विवाद

विवाद की शुरुआत तब हुई जब नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में खेले गए तीसरे टेस्ट के दौरान ईसीबी ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। इस वीडियो में स्टोक्स ड्रेसिंग रूम के भीतर अपने साथियों को संन्यास लेने के फैसले की जानकारी देते नजर आए। यह वीडियो मैच समाप्त होने से पहले ही सार्वजनिक कर दिया गया, जिसके बाद इसे नियमों के उल्लंघन का मामला माना गया।

क्या कहते हैं आईसीसी के नियम?

आईसीसी के प्लेयर्स एंड मैच ऑफिशियल्स एरिया (PMOA) नियमों के अनुसार, मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम में रिकॉर्ड किए गए वीडियो या ऑडियो के प्रसारण पर सख्त प्रतिबंध है। नियम यह भी कहते हैं कि ऐसी रिकॉर्डिंग का ऑडियो सार्वजनिक नहीं किया जा सकता और उसे मैच समाप्त होने से पहले जारी नहीं किया जाना चाहिए। इसी आधार पर ईसीबी की कार्रवाई सवालों के घेरे में आई है।

ईसीबी से मांगा गया जवाब

रिपोर्टों के अनुसार आईसीसी ने ईसीबी को पत्र भेजकर पूरे मामले पर जवाब मांगा है। फिलहाल बोर्ड की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि जांच के बाद आईसीसी इस मामले में कोई कार्रवाई करता है या नहीं।

संन्यास के साथ विवाद भी चर्चा में

स्टोक्स ने 28 जून को टेस्ट मैच के चौथे दिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। बताया जा रहा है कि उन्होंने अपने लंबे समय के एजेंट के साथ मिलकर इसकी योजना बनाई थी। हालांकि बीच मैच में रिटायरमेंट की घोषणा और उसके तुरंत बाद ड्रेसिंग रूम का वीडियो सामने आने से इस फैसले की चर्चा से ज्यादा नियमों के कथित उल्लंघन पर बहस शुरू हो गई। अब सभी की नजर आईसीसी और ईसीबी की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई है।

फीफा विश्व कप 2026 : फ्रांस की सेमीफाइनल में एंट्री

मोरक्को को 2-0 से हराकर खिताब की ओर बढ़ाए कदम, एम्बाप्पे और डेम्बेले का जलवा

नई दिल्ली, एजेंसी

फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में जीत हासिल की। किलियन एम्बाप्पे ने पहले हाफ में पेनल्टी किक चूकने के बावजूद एक गोल किया और एक असिस्ट भी दिया। उस्मान डेम्बेले ने टीम का दूसरा गोल किया।

इस जीत के साथ फ्रांस अब सेमीफाइनल में डलास में स्पेन या बेल्जियम से भिड़ेगा। यह मुकाबला मंगलवार को खेला जाएगा। मैच के 60वें मिनट में एम्बाप्पे ने गोल दागा। यह उनके वर्ल्ड कप करियर का 20वां गोल है, जिससे वे अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी से सिर्फ एक गोल पीछे रह गए हैं। इसके बाद 66वें मिनट में डेम्बेले ने इस टूर्नामेंट का अपना पांचवां गोल किया।

गौरतलब है कि साल 2022 के कतर वर्ल्ड कप में भी फ्रांस ने सेमीफाइनल में मोरक्को को इसी स्कोर से हराया था, जब मोरक्को पहली अफ्रीकी टीम बनी थी जो वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल तक पहुंची थी। अब फ्रांस लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल खेलने वाली तीसरी टीम बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पूरे मैच में फ्रांस का दबदबा साफ दिखा। फ्रांस ने कुल 21 शॉट गोल की तरफ मारे जबकि मोरक्को सिर्फ 4 शॉट ही ले पाया। टारगेट पर शॉट के मामले में भी फ्रांस 8-1 से आगे रहा। टीम का दूसरा गोल तब आया जब एम्बाप्पे ने गेंद को डेम्बेले की तरफ बढ़ाया और खुद आगे दौड़ते हुए डिफेंडरों को अपनी तरफ खींच लिया, जिससे डेम्बेले को गोल करने की जगह मिल गई।

पोस्ट के पास से बाहर चला गया था एम्बाप्पे का पहला शॉट

मैच की शुरुआत में चौथे मिनट में ही एम्बाप्पे का पहला शॉट गोल पोस्ट के पास से बाहर चला गया था। फिर 25वें मिनट में जब एम्बाप्पे बॉक्स के अंदर बाईं तरफ से दौड़ रहे थे, तभी मोरक्को के डिफेंडर नुसैर मजराउई ने उन्हें गिरा दिया। रेफरी फकुंडो टेलो ने तुरंत पेनल्टी दे दी। लंबे वीडियो रिव्यू के बाद 28वें मिनट में एम्बापे को शॉट लेने की इजाजत मिली, लेकिन गोलकीपर यासीन बोनो ने सही दिशा का अंदाजा लगाकर उनका शॉट रोक दिया। इससे पहले प्री-क्वार्टर फाइनल में पैराग्वे के खिलाफ भी एम्बापे ने एक पेनल्टी ली थी। पहले हाफ में फ्रांस का दबदबा 13-1 शॉट के अंतर से साफ दिख रहा था। मोरक्को का सबसे अच्छा मौका हाफ टाइम से ठीक पहले आया जब अशरफ हकीमी की फ्री किक गोल पोस्ट के करीब से बाहर चली गई।

कौन से रिकॉर्ड बने?

- किलियन एम्बाप्पे ने इस विश्व कप के सभी छह मैचों में गोल किया है और गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे हैं।
- विश्व कप में सर्वाधिक करियर गोल करने वाले खिलाड़ियों में एम्बाप्पे (20) अब केवल लियोनेल मेसी (21) से पीछे हैं।
- उस्मान डेम्बेले विश्व कप के एक ही संस्करण में पांच गोल करने वाले फ्रांस के तीसरे खिलाड़ी बन गए।
- 18 साल 280 दिन के अयूब बुआद्दी विश्व कप में किसी अफ्रीकी टीम के लिए किशोर अवस्था में पांच मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने।

लगातार तीसरे मैच में सस्ते में आउट हुए वैभव, कैच पूरा होने से पहले ही लौटे पवेलियन

चेहरे पर साफ दिखी निराशा

ब्रिस्टल। भारत के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में वह सिर्फ 10 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हो गए। उनकी विकेट इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने हासिल की। आर्चर ने पिछली पारी की तरह इस बार भी सूर्यवंशी को लगातार शॉर्ट गेंदों से परेशान किया। शुरुआती कुछ गेंदों का सामना करने के बाद वैभव ने पुल शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सही तरीके से बल्ले पर नहीं आई और मिड-ऑन पर आसान कैच थमा बैठे।

आउट होने के बाद दिखी नाराजगी

आउट होने के बाद वैभव सूर्यवंशी काफी निराश नजर आए। खास बात यह रही कि उन्होंने कैच पूरी तरह पूरा होने का इंतजार भी नहीं किया और तुरंत पवेलियन की ओर लौटने लगे। इस दौरान उन्होंने आसमान की ओर देखते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। उनकी यह प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और क्रिकेट फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। यह इस सीरीज में उनका लगातार तीसरा कम स्कोर रहा। दूसरे टी20 से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सूर्यवंशी अब तक अपनी प्रतिभा के अनुरूप बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

जूही मूई सास-बहू का ड्रामा नहीं बनेगा

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह बोलीं- अलग सोच वाली कहानी जीतेगी दर्शकों का दिल

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने नए शो जूही मूई को लेकर सुर्खियों में हैं। इस धारावाहिक में वह जूही सूरी नाम की एक ऑटिस्टिक युवती की भूमिका निभा रही हैं। ईशा का कहना है कि आज के दर्शक केवल पारंपरिक पारिवारिक ड्रामे ही नहीं, बल्कि समाज से जुड़े संवेदनशील और अलग विषयों पर आधारित कहानियों को भी पसंद कर रहे हैं।

एक बातचीत में जब ईशा से पूछा गया कि क्या कई टीवी धारावाहिकों की तरह %जूही मूई% भी आगे चलकर सास-बहू ड्रामा का रूप ले सकता है, तो उन्होंने इससे साफ इनकार किया। उनका कहना है कि शो की मूल कहानी और इसके किरदार इतने अलग हैं कि इसे सामान्य टीवी ड्रामे की दिशा में ले जाना संभव नहीं लगता। उनके अनुसार, यह धारावाहिक एक खास विषय और संवेदनशील कहानी पर आधारित है, जो इसे अन्य शोज से अलग पहचान देता है। शो में जूही सूरी एक प्रतिभाशाली और बुद्धिमान ऑटिस्टिक लड़की है, जिसे समाज अक्सर समझ नहीं पाता। उसकी अलग सोच और असाधारण क्षमता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत बनती है। मौजूदा कहानी में जूही अपने पिता को खोने के बाद भावनात्मक संघर्ष से गुजर रही है। उसके पिता ही वह व्यक्ति थे, जिन्होंने हमेशा उसका साथ दिया और हर मुश्किल से उसकी रक्षा की।

दर्शकों की पसंद बदल रही है

ईशा का मानना है कि लंबे समय तक टेलीविजन पर सास-बहू आधारित कहानियों का दबदबा इसलिए रहा क्योंकि दर्शक उन्हें पसंद करते थे। हालांकि अब समय बदल रहा है और लोग नए विषयों पर आधारित कंटेंट देखने में रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऑटिज्म जैसे विषय पर टीवी पर बहुत कम काम हुआ है और लंबे समय बाद इस विषय को फिर से प्रमुखता मिली है। ईशा ने कहा कि जूही मूई को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। शो के पात्र पूरी तरह वास्तविक हैं, जिनमें अच्छाइयों के साथ कमियां भी हैं। यही बात दर्शकों को उनसे जोड़ती है। उनके मुताबिक कहानी यह संदेश देती है कि अलग सोच रखने वाले लोग भी एक-दूसरे को समझ सकते हैं और जीवन को नए नजरिए से देख सकते हैं।

जब जीनत अमान के गानों पर झूम उठा पूरा सेट, पल्लवी जोशी ने सुनाया यादगार किस्सा

पल्लवी जोशी ने हाल ही में दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान से जुड़ा एक दिलचस्प अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि जब जीनत अमान ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 50 वर्ष पूरे किए, तब फिल्म मडगांव फाइल्स की शूटिंग के दौरान पूरी टीम ने उनके सम्मान में एक खास सरप्राइज प्लान किया था। यह यादगार पल आज भी उनके जेहन में ताजा है। पल्लवी जोशी के अनुसार उस समय फिल्म की शूटिंग गुजरात के वडोदरा में चल रही थी। निर्देशक कपिल शर्मा ने जीनत अमान के सुनहरे फिल्मी सफर का जश्न मनाने के लिए विशेष केक मंगवाया था। शुरुआत में यह एक साधारण केक कटिंग समारोह था, लेकिन कुछ ही देर में माहौल पूरी तरह बदल गया और पूरा सेट उत्सव में बदल गया।

पुराने गानों ने बांध दिया समां- पल्लवी ने बताया कि केक कटिंग के बाद किसी ने जीनत अमान के सुपरहिट गाने बजाने शुरू कर दिए। जैसे ही संगीत गूंजा, सेट पर मौजूद कलाकार, खासकर महिला कलाकार, खुद को थिरकने से नहीं रोक सकीं। एक के बाद एक लोकप्रिय गीत बजते रहे और पूरा माहौल जीनत अमान की फिल्मों और उनके शानदार करियर के रंग में रंग गया।

तभी हुआ उनकी उपलब्धियों का अहसास

अभिनेत्री ने कहा कि सभी जानते थे कि जीनत अमान ने कई सफल फिल्मों में काम किया है, लेकिन जब लगातार उनके यादगार गीत सुनाई दिए तो उनके लंबे और प्रभावशाली करियर का असली एहसास हुआ। हर गीत उनके निभाए अलग-अलग किरदारों और हिंदी सिनेमा में दिए गए योगदान की याद दिला रहा था। पल्लवी के मुताबिक, उस शाम पूरी टीम ने महसूस किया कि जीनत अमान ने भारतीय सिनेमा को कितनी यादगार फिल्में और कालजयी किरदार दिए हैं।

मेट्रो बाजार

आईएमएफ का दावा : मध्यपूर्व संकट से कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव के बाद भी भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत

वॉशिंगटन । इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) ने कहा कि मध्य पूर्व में चल रहे टकराव की वजह से दुनिया भर में तेल की कीमतें बढ़ने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। हालांकि, वैश्विक आर्थिक संस्था ने भारत की 2026 की ग्रोथ का अनुमान थोड़ा घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा है कि अगले साल ऊर्जा से जुड़ी दिक्कतों के कम होने पर देश की ग्रोथ और तेज होगी।

आईएमएफ ने अपने ताजा वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में 2026 के लिए भारत की ग्रोथ का अनुमान अप्रैल के अनुमान से 0.1 प्रतिशत अंक घटा दिया, लेकिन 2027 के लिए अनुमान 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ा दिया। आईएमएफ का कहना है कि उम्मीद से बेहतर आर्थिक गतिविधि और मजबूत घरेलू मांग देश के आउटलुक को सहारा दे रही है। आईएमएफ अधिकारियों ने अपनी ताजा वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि भारत ने कई दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले ग्लोबल अनिश्चितता का बेहतर ढंग से सामना किया है, हालांकि मिडिल ईस्ट में चल रहे टकराव की वजह से ऊर्जा की बढ़ती कीमतें इस साल विकास दर पर असर डालेंगी। आईएमएफ रिसर्च विभाग की प्रमुख डेनिज इगन ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पत्रकारों को बताया, भारत के लिए, हमने इस साल के अनुमान को बहुत मामूली रूप से 0.1 प्रतिशत अंक घटाकर 6.4 कर दिया है। और अगले साल, यानी 2027 के लिए विकास दर के अनुमान को 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ा दिया है।

भारत- ऑस्ट्रेलिया ने लॉन्च किया पीएसीटीएस

साइबर-क्रिटिकल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ेगा

नई दिल्ली । भारत और ऑस्ट्रेलिया ने मिलकर गुरुवार को पार्टनरशिप ऑन साइबर, क्रिटिकल टेक्नोलॉजी एंड सप्लाई चेन (पीएसीटीएस) को लॉन्च किया। इसका उद्देश्य साइबर और क्रिटिकल टेक्नोलॉजी क्षेत्र में दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ाना है। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, ÷पीएसीटीएस का मकसद राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा में हमारे साझा हितों का समर्थन करना, हमारे सहयोगियों को अधिक डिजिटल विकल्प देकर सशक्त बनाना, अहम सप्लाई चेन को अधिक मजबूत बनाना और ग्लोबल साइबर क्षमता को मजबूत करना है।

पीएसीटीएस पांच आपस में जुड़े हुए स्तंभों पर एक साझा रणनीतिक विजन के साथ आगे बढ़ेगा, इनमें सप्लाई चेन की मजबूती और विविधता, क्रिटिकल टेक्नोलॉजी, साइबर सुरक्षा, डिजिटल मजबूती और डिफेंस रिसर्च में सहयोग शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि इनमें से हर स्तंभ के तहत, भारत और ऑस्ट्रेलिया प्राइवेट सेक्टर, यूनिवर्सिटीज, रिसर्च संस्थानों और सरकारी एजेंसियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मौकों और खास प्रोजेक्ट्स की पहचान करेंगे।

बयान में कहा गया, ऑस्ट्रेलिया और भारत मिलकर दोनों देशों के बढ़ते तकनीकी उद्योगों को सहारा देने के लिए सुरक्षित, मजबूत और भरोसेमंद सप्लाई चेन बनाने की दिशा में काम करेंगे। इसमें सुरक्षा से जुड़े नियमों को बढ़ावा देना, साथ ही नियमों पर आधारित द्विपक्षीय टेक्नोलॉजी व्यापार और सप्लाई चेन को मजबूत करना शामिल है।÷ इसमें सेमीकंडक्टर और जरूरी खनिजों की सप्लाई चेन - जिसमें रीसाइक्लिंग और रिकवरी भी शामिल है - पर मिलकर काम किया जाएगा। साथ ही, ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय व्यवसायों के बीच कमर्शियल सहयोग और व्यापार में विविधता लाने को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

रथ यात्रा 2026: पुरी में 5 किमी का दायरा 'नो-फ्लाइंग जोन' घोषित

» बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी

भुवनेश्वर। विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 2026 के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए पुरी जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। प्रशासन ने पुरी शहर के पांच किलोमीटर दायरे को 'नो-फ्लाइंग जोन' घोषित कर दिया है। इसके तहत 16 जुलाई से 27 जुलाई 2026 तक किसी भी व्यक्ति या संस्था को बिना अनुमति ड्रोन अथवा अन्य मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) उड़ाने की अनुमति नहीं होगी।जिला प्रशासन की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि रथ यात्रा, बाहुड़ा यात्रा और इससे जुड़े विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के पुरी पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। प्रशासन का मानना है कि ड्रोन के अनियंत्रित संचालन से सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

इजरायली खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट में बड़ा दावा

ट्रंप की हत्या का नया प्लान बना रहा ईरान, यूएस को दी चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हालिया हमलों और पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की अंतिम यात्रा के बीच इजरायल ने पेंटागन के साथ नई खुफिया जानकारी साझा की है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, इस जानकारी में संकेत दिया गया है कि तेहरान एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रच रहा है।

इस कथित हत्या की साजिश की जानकारी ने वाशिंगटन और तेहरान के बीच तनाव को ऐसे समय में और बढ़ा दिया है, जब दोनों देशों के बीच हुआ संघर्ष विराम समझौता पहले से ही खतरे में है। ईरान की कथित हत्या की योजना के बारे में यह चेतावनी इसी सप्ताह मिली है। हालांकि, एक अन्य सूत्र ने बताया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को हाल के हफ्तों में इस योजना की सुगबुगाहट मिल रही थी, लेकिन इजरायल से मिली चेतावनी नई थी और एक विशिष्ट साजिश से संबंधित थी। हालांकि, कुछ अमेरिकी अधिकारियों को इस बात की चिंता है कि यह इजरायली खुफिया जानकारी केवल ट्रंप के फैसलों को प्रभावित करने का एक प्रयास हो सकती है। ट्रंप फिलहाल इस बात पर विचार कर रहे हैं कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को तेज किया जाए या संघर्ष विराम योजना के साथ ही आगे बढ़ा जाए।

ट्रंप और नेतन्याहू के रिश्तों में सुधार

हाल के हफ्तों में ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के संबंधों में भी सुधार देखने को मिला है। इससे पहले, ईरान युद्ध को जारी रखने पर दोनों नेताओं के अलग-अलग विचारों के कारण उनके रिश्तों में खटास आ गई थी।इजरायली नेता ने युद्ध के अधिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लड़ाई जारी रखने की वकालत की है। दूसरी ओर, ट्रंप ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान की चिंताओं का हवाला देते हुए इस संघर्ष से बाहर निकलने का रास्ता तलाशा है। अमेरिका और ईरान ने आखिरकार पिछले महीने एक नाजुक संघर्ष विराम समझौता किया था।इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, गुरुवार को ट्रंप और नेतन्याहू ने फिर से बात की। कार्यालय ने दावा किया कि वाशिंगटन और तेल अवीव देशों के बीच समन्वय जारी रखने पर सहमत हुए हैं, और ट्रंप ने नेतन्याहू को खाड़ी क्षेत्र में हालिया अमेरिकी गतिविधियों से भी अवगत कराया है।

ट्रंप के लिए ईरान का खतरा

ईरान ने राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के शीर्ष जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या में अमेरिका की कथित भूमिका के लिए वर्षों से खुले तौर पर उनसे बदला लेने की धमकी दी है। यहां तक कि 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के हमलों में मारे गए अली खामेनेई और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के जनाजे के दौरान भी ईरानी प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप की मौत के नारे लगाए और एक बैनर भी फहराया जिस पर लिखा था कि हम ट्रंप को मार देंगे।अमेरिकी कमांडर-इन-चीफ ने खुद इस सप्ताह संकेत दिया कि उनकी जान को ईरान से खतरा है। अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान संवाददाताओं से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि वे अमेरिकी नेता यानी मुझे खत्म करना चाहते हैं।

राजनाथ सिंह : सफ़र एक शिक्षक से देश के रक्षक तक का....

डॉ चन्द्रकिशोर शर्मा, लखनऊ

राजनीति में 'शोहरत' वाले बहुत हैं, पर 'संघर्ष, शालीनता, सिद्धांत' वाले कम ही होते हैं। उनमें से एक हैं राजनाथ सिंह। राजनाथ सिंह की 3 खास बातें मुख्य रूप से देखी गई है द्व एक गांव के स्कूल टीचर से शुरू करके बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, यूपी के सीएम ,गृह मंत्री और अब रक्षा मंत्री। ये सफर ही बताता है कि मेहनत और ईमानदारी से राजनीति में भी मुकाम मिलता है।

इतने बड़े ओहदे के बाद भी विवादों से दूर, सबको साथ लेकर चलने वाले। विपक्ष भी उनकी भाषा की इज्जत करता है। आज के दौर में ये अपने आप में अनुकरणीय है।

'देश की सुरक्षा' को हमेशा पहले रखा। गलवान के बाद सेना को खुली छूट और आत्मनिर्भर भारत के तहत स्वदेशी हथियार - इन फैसलों पर उनकी छाप है। ऐसे नेता समाज और देश के लिए राजनीति का मतलब समझाते हैं। न शोर, न ड्रामा, बस काम की परिभाषा जो देश हित और सामाजिक हित में हो।

राजनाथ सिंह के किसी भी कार्यकाल को देखा जा सकता है। चाहे यूपी वाला कार्यकाल हो पार्टी संगठन, या रक्षा मंत्री या फिर गृह मंत्री के रूप मेंवाकई इसे 'शिक्षक से विश्व स्तर के रक्षा मंत्री' तक का सफर कहा जा सकता है।

यूपी के मुख्यमंत्री - कानून-व्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस। 'राजनाथ फॉर्मूला' आज भी यूपी की राजनीति में याद किया जाता है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष - पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत किया। संगठन खड़ा करने वाले अध्यक्ष माने जाते हैं।

गृह मंत्री - आंतरिक सुरक्षा- नक्सल और आतंक पर जीरो टॉलरेंस। एनआरसी /सीएए जैसे बड़े फैसले इसी कार्यकाल में।

कृषि मंत्री - किसानों के लिए फसल बीमा और रूरल इंफ्रा पर काम। गांव से जुड़ाव यहीं दिखता है।

रक्षा मंत्री - अभी का सबसे अहम रोल देश के लिए देखा गया है। पहले हम 'आयात पर निर्भर' थे - गोला-बारूद से लेकर राइफल तक।

आत्मनिर्भर भारत, डिफेंस एक्सपोर्ट, ब्रह्मोस, तेजस, पिनाका रॉकेट, डिफेंस ट्रेलर.तक। आज 100 से ज्यादा देश भारत से हथियार खरीद रहे हैं।

ये सिर्फ हथियार नहीं बेचना है। ये है देश की कमाई बढ़ना और भारत की साख बढ़ाना। साथ ही दुनिया को संदेश है कि भारत अब कमजोर नहीं, ताकतवर है। संपूर्ण विश्व स्तर पर आज सराहनीय और बिल्कुल सही भी है। राजनाथ सिंह राजनीति का फॉर्मूला सिंपल है। संघर्ष, शालीनता और राष्ट्र पहले। शोर नहीं, काम बोलता है। और शायद इसी वजह से हर सरकार में, हर मंत्रालय में उनको सफलता मिलती रही है।

योगी बोले- हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ाने का पाप सपा-कांग्रेस ने किया

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या दौरे में बीकापुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अयोध्या को 432 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इस मौके पर उन्होंने पूर्व मंत्री मुन्ना सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि लंबे समय तक अयोध्या विकास से दूर रही। सपा और कांग्रेस की सरकारों ने हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़वाने का काम किया। क्या कभी दिल्ली की जामा मस्जिद में कोई हनुमान चालीसा पढ़ सकता है। सपा-कांग्रेस के लोगों ने ये पाप किया है।उन्होंने कहा कि अयोध्या आज विकास और समृद्धि के वैभव की ओर बढ़ रही है। अगर मंशा साफ हो तो विका अपने आप होता है। आज अयोध्या में दिख रहा है कि जब प्रभु श्रीराम की कृपा और हनुमान जी का आशीर्वाद हो तो अयोध्या के सारे काम अपने आप ही होते हैं।

न्यूज विंडो

बंगाल की खाड़ी में ओडिशा और बंगाल के 15 मछुआरे लापता

भुवनेश्वर। पश्चिम बंगाल के शंकरपुर मत्स्य अवतरण केंद्र से समुद्र में मछली पकड़ने गए 15 मछुआरे पिछले कई दिनों से लापता हैं। इनमें ओडिशा के बालेश्वर जिले के भोगराई ब्लॉक के तीन सगे भाई भी शामिल हैं। घटना के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है और उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से हस्तक्षेप कर मछुआरों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने की मांग की है।लापता मछुआरों में उलुड़ा गांव निवासी मधुसूदन माझी के पुत्र रवींद्र माझी, जगन्नाथ माझी और जयराम माझी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, 2 जुलाई को 'मां काली' नामक ट्रॉलर पर सवार होकर ओडिशा और पश्चिम बंगाल के 15 मछुआरे इलिश मछली पकड़ने के लिए बंगाल की खाड़ी में गए थे।

हाथरस: एक ही रात में 20 लोगों को सांप ने डसा, पांच दिनों में 3 की मौत

हाथरस। जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते सर्पदंश की घटनाओं में अचानक बढ़ोत्तरी हो गई है। बुधवार की रात जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में 20 लोगों को सांपों ने डस लिया।सभी को आनन-फानन जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से कुछ गंभीर मरीजों को हायर सेंटर रेफर किया गया। चिकित्सकों के अनुसार बारिश के कारण सांप अपने बिलों से बाहर निकलकर रिहायशी इलाकों और खेतों में आ रहे हैं, जिसकी वजह से सर्पदंश के मामले बढ़ गए हैं।जिला अस्पताल में रातभर सर्पदंश के पीड़ितों को लाने का सिलसिला चलता रहा। इनमें गिजरौली निवासी देवा को खेत से लौटते समय पैर में सांप ने डस लिया। थाना हाथरस गेट क्षेत्र के नयाबांस निवासी पिंकी देवी पत्नी रमेश चंद्र को रात में सोते समय सांप ने काट लिया।

नासिक धर्मांतरण मामले में आरोपी निदा खान को जमानत

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक आईटी कंपनी में चर्चित धर्मांतरण मामले में आरोपी निदा खान को कोर्ट से जमानत मिल गई है। निदा खान को जमानत देते हुए नासिक कोर्ट का उल्लेखनीय आदेश सामने आया है। दरअसल, निदा खान पर जिन हिंदू धर्म के देवी देवताओं का अपमान करने का आरोप लगा, उन्हीं भगवान कृष्ण के जन्म की कथा का संदर्भ देते हुए जज ने गर्भवती निदा खान को जमानत दे दी।

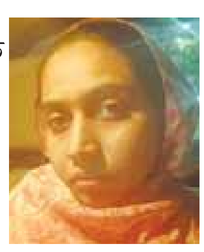

जानकारी के मुताबिक, निदा खान पांच महीने की गर्भवती है। उस पर अपनी कंपनी की सहकर्मी पर इस्लाम धर्म अपनाने के लिए धार्मिक दबाव बनाने का आरोप है। वहीं, निदा खान ने कई बार हिंदू धर्म के देवी देवताओं का अपमान भी किया है। बता दें कि पुलिस ने निदा खान को दो महीने पहले गिरफ्तार किया गया था।

फ्रांस की मोरक्को पर जीत के बाद लंदन में भड़की हिंसा, फुटबॉल फैंस ने सड़क पर किया बवाल

लंदन। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी सीट पक्की कर ली है। इस जीत के बाद जहां फ्रांस की राजधानी पेरिस में शांतिपूर्ण तरीके से जश्न हुआ, वहीं लंदन में हिंसा की घटना सामने आई। फुटबॉल फैंस की भारी भीड़ सड़कों पर आ गई, जिसके बाद हालात काबू से बाहर हो गए। हिंसा की आशंका के मद्देनजर पेरिस में पहले से ही सुरक्षाबल तैनात कर दिए गए थे लेकिन इसके उलट, ब्रिटेन की राजधानी लंदन में हालात तनावपूर्ण हो गए।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रांस की सेमीफाइनल में एंट्री तय होने के कुछ ही देर बाद वेस्टर्न लंदन में एक पुलिस अधिकारी उपद्रवियों के अटैक में घायल हो गया। बाद में उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाना पड़ा। सोशल मीडिया

पर वायरल हो रहे वीडियो में पुलिसकर्मी एडगवेयर रोड पर भारी भीड़ को कंट्रोल करने का प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक अन्य वीडियो में जख्मी पुलिसकर्मी सड़क पर लेटा हुआ नजर आ रहा है और मेडिकल टीम उसका इलाज कर रही है।

मेट्रो एंकर | तेजी से विकसित हो रही सड़क, आवास, स्कूल और पेयजल जैसी सुविधाएं

नक्सल हिंसा थमने के बाद घर लौट रहे लोग, बस्तर में दिख रही रौनक

जगदलपुर, एजेंसी

कभी नक्सल हिंसा के कारण अपना घर-गांव छोड़ने को मजबूर हुए बस्तर के कई परिवार अब दोबारा अपने पैतृक गांवों की ओर लौट रहे हैं। क्षेत्र में नक्सल गतिविधियों में कमी आने के बाद छत्तीसगढ़ सरकार इन परिवारों के पुनर्वास को प्राथमिकता देते हुए गांवों में सड़क, आवास, पेयजल, स्कूल और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में जुटी है। बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा ने बताया कि पहले नक्सल हिंसा और डर के कारण कई परिवार दूसरे इलाकों में चले गए थे।

सैकड़ों किमी सड़क निर्माण को मंजूरी

अब जब पूरा बस्तर क्षेत्र धीरे-धीरे नक्सल मुक्त हो रहा है और लोग वापस लौट रहे हैं, तो सरकार उनकी बसाहट के लिए जरूरी सुविधाएं तेजी से

विकसित कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चौथे चरण (बैच-1) में 236 किलोमीटर सड़क बनाने की मंजूरी मिल चुकी है, जबकि बैच-2 में 292 किलोमीटर सड़क बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि लौटने वाले परिवारों को बेहतर सड़क और अन्य जरूरी सुविधाएं मिलें, ताकि वे सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन शुरू कर सकें।

30 से अधिक परिवार वापस लौटे

कोलेंग-छिंगगुर गांव के निवासी फुलदेव ठाकुर ने बताया कि नक्सल हिंसा के दौर में गांव के कई परिवार मजबूरी में पलायन कर गए थे, लेकिन अब हालात बदलने लगे हैं। उन्होंने कहा कि पहले गांव में 107 परिवार रहते थे। इनमें से 60 से 70 परिवार नक्सल हिंसा के कारण गांव छोड़कर चले गए थे। अब इनमें से 30 से अधिक परिवार वापस लौट चुके हैं और अपने पुराने घरों में फिर से जीवन बसाने की कोशिश कर रहे हैं। फुलदेव ठाकुर ने बताया कि दूसरी जगह उनके पास न जमीन थी और न ही स्थायी ठिकाना, इसलिए अब हालात सामान्य होने पर वे अपने पैतृक गांवों में लौट रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564